गूंज सिंगरौली की

संपादक लाले विश्वकर्मा 6261729146 | www. goonjsingraulikee.in | goonjsingrauliki@gmail.com

उप संपादक सोनू विश्वकर्मा 9516742830

वर्षः 1 | अंकः 171 | सिंगरौली, शुक्रवार 4 सितम्बर 2026 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 2 रुपए | PRGI MPHIN/26/A0876

सीएम मोहन यादव के आदेश कागजों में कैद सिंगरौली में अहाता राज'जारी मोनार्क वाइंस को लेकर उठे गंभीर सवाल

शराब दुकानों के आसपास बैठकर शराब पीने की व्यवस्था के आरोप, ओवररेटिंग और कथित अवैध वसूली पर भी सवाल आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली कटघरे में

गूंज सिंगरौली की पत्रिका कार्यालय

सिंगरौली ऊर्जाधानी सिंगरौली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शराब दुकानों से जुड़े अहातों को बंद करने के निर्देशों के पालन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर सामने आए आरोपों के अनुसार, कुछ शराब दुकानों के आसपास अब भी लोगों के बैठकर शराब पीने की व्यवस्था संचालित होने की बात कही जा रही है। इनमें मोनार्क वाइंस से जुड़े ठिकानों को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

सीएम मोहन यादव के निर्देशों के बावजूद व्यवस्था पर सवाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अहातों को बंद करने के निर्देशों के बाद भी यदि शराब दुकानों के आसपास बैठकर शराब पीने की व्यवस्था जारी है, तो यह प्रशासनिक निगरानी पर बड़ा सवाल है। आखिर सीएम मोहन यादव के सख्त निर्देश जमीनी स्तर पर क्यों प्रभावी नजर नहीं आ रहे हैं?

मोनार्क वाइंस के ठिकानों को लेकर स्थानीय आरोप

स्थानीय लोगों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के मुताबिक कुछ स्थानों पर प्लास्टिक कुर्सियां, टेबल और पानी जैसी सुविधाओं के साथ शराब पीने की व्यवस्था दिखाई देती है। यदि यह व्यवस्था वास्तव में संचालित हो रही है, तो इसकी वैधता और जिम्मेदारी तय करना आबकारी विभाग का विषय है।

ओवररेटिंग और कथित अतिरिक्त वसूली पर भी सवाल

स्थानीय स्तर पर शराब की निर्धारित कीमत से अधिक राशि लिए जाने तथा बैठकर शराब पीने के नाम पर अतिरिक्त पैसे वसूलने के आरोप भी सामने आ रहे हैं। इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होने पर ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है।

आबकारी विभाग से सीधा सवाल निगरानी कहां है?

सबसे बड़ा सवाल जिले के आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। यदि शराब दुकानों के आसपास नियमों के विपरीत गतिविधियां चल रही हैं, तो सीएम मोहन यादव के निर्देशों के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था इतनी कमजोर क्यों दिखाई दे रही है? क्या विभाग को इन गतिविधियों की जानकारी है? यदि जानकारी है तो कार्रवाई क्यों नहीं? और यदि जानकारी नहीं है तो नियमित निरीक्षण आखिर किस स्तर पर हो रहा है?

गूंज सिंगरौली की पत्रिका ने सीएम मोहन यादव और डीजीपी तक उठाया मुद्दा

पूरे मामले को लेकर गूंज सिंगरौली की पत्रिका द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (ष्ठत्रक्क) के समक्ष शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। शिकायत के बाद अब मामला उच्च स्तर पर जांच और कार्रवाई की संभावनाओं को लेकर चर्चा में है।

अब नजर मुख्यमंत्री कार्यालय के अगले कदम पर

प्रदेश स्तर पर शिकायत पहुंचने के बाद यदि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मामले को गंभीरता से लिया जाता है, तो संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की जा सकती है और नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर जिम्मेदारी तय की जा सकती है। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही हैक्या मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आदेशों की अनदेखी के आरोपों पर शासन सख्त कार्रवाई करेगा, या सिंगरौली में कथित 'अहाता राज' इसी तरह चलता रहेगा? समाचार में लगाए गए आरोपों को स्थानीय लोगों/शिकायत के आधार पर आरोप के रूप में प्रस्तुत किया गया है। संबंधित शराब ठेकेदार और आबकारी विभाग का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाना चाहिए।

ग्रीन एनर्जी से डिजिटल कस्टम्स तक, जेएनपीए बदल रहा समुद्री कारोबार की तस्वीर

संवाददाता

मुंबई। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (क्कढ्ढक्च) भोपाल द्वारा आयोजित प्रेस टूर के दौरान पत्रकारों ने जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (जेएनपीए) का दौरा कर बंदरगाह की कार्यप्रणाली, आधुनिक लॉजिस्टिक्स, हरित ऊर्जा और डिजिटल सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान जेएनपीए के अधिकारियों ने पत्रकारों को पोर्ट के विकास मॉडल, पर्यावरण संरक्षण की पहल और पोर्ट-बेस्ड विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्र्ब्बं) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दौरे के दौरान बताया गया कि जेएनपीए देश के प्रमुख कंटेनर बंदरगाहों में शामिल है और अब ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, आधुनिक लॉजिस्टिक्स तथा डिजिटल कस्टम्स के माध्यम से भविष्य के स्मार्ट और सस्टेनेबल पोर्ट के रूप में विकसित किया जा रहा है। वर्ष 2025 में पोर्ट की ऊर्जा खपत में 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी नवीकरणीय ऊर्जा की रही। वहीं जेएनपीए के स्र्ब्बं को 100 प्रतिशत ग्रीन एनर्जी से संचालित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

देश के कंटेनर ट्रैफिक में 54त्न से अधिक हिस्सेदारी

पीआईबी प्रेस टूर के दौरान पत्रकारों को बताया गया कि जेएनपीए भारत का पहला 100 प्रतिशत लैंडलॉर्ड पोर्ट है। देश के प्रमुख बंदरगाहों के बीच कंटेनर ट्रैफिक में इसकी हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक है। विश्व के शीर्ष 100 कंटेनर पोर्ट की रैंकिंग में जेएनपीए को 23वां स्थान हासिल है। पोर्ट पर पांच कंटेनर टर्मिनल हैं और यहां 15 मीटर से अधिक गहरा ड्राफ्ट उपलब्ध है। अधिकारियों ने बताया कि आधुनिक तकनीक और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए पोर्ट पर ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूत किया जा रहा है। निर्यात को बढ़ावा देने में जेएनपीए का पोर्ट-बेस्ड स्र्ब्बं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

277 हेक्टेयर में विकसित पोर्ट-बेस्ड स्र्ब्बं

प्रेस टूर के दौरान पत्रकारों ने जेएनपीए के विशेष आर्थिक क्षेत्र की कार्यप्रणाली को भी समझा। करीब 277 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस स्र्ब्बं में मैन्युफैक्चरिंग, प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज और फूड प्रोसेसिंग जैसी गतिविधियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं। स्र्ब्बं में सिंगल-विंडो क्लियरेंस के साथ सड़क, रेल, समुद्र और हवाई मार्ग से कनेक्टिविटी उपलब्ध है। अधिकारियों के अनुसार 134.54 हेक्टेयर क्षेत्र लीज पर दिया जा चुका है, जबकि 32.7 हेक्टेयर क्षेत्र उपलब्ध है।

2,832 ट्रेलरों की क्षमता वाला पार्किंग प्लाजा

पत्रकारों को सेंट्रलाइज्ड पार्किंग प्लाजा (ष्टक्क) का भी अवलोकन कराया गया। करीब 45 हेक्टेयर में विकसित इस परिसर में एक साथ 2,832 ट्रैक्टर-ट्रेलरों की पार्किंग क्षमता है। ष्टक्क में ड्राइवरों के लिए कैंटीन, डॉर्मिटरी, वॉशरूम, वाहन मरम्मत एवं रखरखाव और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। रियल टाइम पार्किंग मैनेजमेंट सिस्टम और ड्डब्द्ब-स्नद्ब कनेक्टिविटी के जरिए व्यवस्था को डिजिटल बनाया गया है। यहां कस्टम्स हाउस की सुविधा 24×7 उपलब्ध है।

56 जीरो-एमिशन ट्रक, 21 इलेक्ट्रिक बसों पर जोर

जेएनपीए पर्यावरण संरक्षण के साथ पोर्ट संचालन में डीजल वाहनों की निर्भरता कम करने की दिशा में भी काम कर रहा है। Zero Emission Trucking (ZET) और बैटरी स्वैपिंग ई-ट्रक पहल के तहत 56 जीरो-एमिशन ट्रक ग्रीन फ्लीट का हिस्सा हैं। कर्मचारियों के परिवहन के लिए 21 इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने की योजना भी बताई गई। इसके अलावा दो हाइब्रिड डीजल-बैटरी टग के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। जहाजों को किनारे से बिजली उपलब्ध कराने के लिए शोर-टू-शिप पावर सप्लाई पायलट प्रोजेक्ट की भी योजना है, जिसमें करीब 100 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव है।

4.70 रूड्ढश्च सौर ऊर्जा क्षमता

जेएनपीए में वर्तमान सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 4.70 रूड्ढश्च है। पोर्ट भवनों पर अतिरिक्त 1.5 रूड्ढ रूफटॉप सोलर पैनल लगाने की प्रक्रिया भी जारी है। वैकल्पिक ईंधन के लिए बंकरिंग सुविधा विकसित करने की योजना भी सामने रखी गई। पर्यावरण संरक्षण के तहत सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, एयर-वॉटर-नॉइज क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन और पर्यावरण प्रयोगशाला जैसी सुविधाएं संचालित हैं। समुद्र में तैरते कचरे को एकत्र करने के लिए ClearBot Boat का इस्तेमाल किया जा रहा है।

5 झीलों का पुनर्जीवन, मियावाकी से बढ़ेगा हरित क्षेत्र

जेएनपीए के आसपास पांच झीलों के पुनर्जीवन पर काम किया जा रहा है। हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए मियावाकी पद्धति से पौधरोपण किया जा रहा है। साथ ही तेल रिसाव की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए Oil Spill Response सुविधा भी उपलब्ध है।

डिजिटल कस्टम्स से तेज हो रही कंटेनर प्रक्रिया

पत्रकारों को ष्टक्क में उपलब्ध कस्टम्स सुविधाओं की जानकारी भी दी गई। यहां निर्यात कंटेनरों के लिए ओपन एग्जामिनेशन एरिया के साथ CEAC, E&port Assessment Cell और FSP Cell जैसी सुविधाएं हैं। रीफर कंटेनरों के लिए 125 प्लग प्वाइंट उपलब्ध हैं, जबकि कंटेनर बफर जोन में करीब 2,800 कंटेनरों को रखने की क्षमता है। पीआईबी भोपाल के प्रेस टूर के दौरान पत्रकारों ने जेएनपीए में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के प्रयासों को करीब से समझा। ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, डिजिटल कस्टम्स, आधुनिक लॉजिस्टिक्स और पोर्ट-बेस्ड स्र्ब्बं के जरिए जेएनपीए देश के समुद्री कारोबार को अधिक सक्षम, टिकाऊ और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कृषि पंपों से केबल चोरी पर किसानों ने कार्रवाई की मांग

संवाददाता

गाडरवारा। कृषि पंपों से लगातार केबल चोरी की घटनाओं से नाराज राष्ट्रीय किसान मजदूर संघ के नेतृत्व में किसानों ने गाडरवारा थाने पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि महगवां कला, कान्हरगांव मगरमुहा, दिघोरी, सीरेगांव, कठोतिया सहित आसपास के गांवों में पिछले एक वर्ष से कृषि पंपों की केबल चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। किसानों के अनुसार 27 अगस्त की रात भी कई किसानों के कृषि पंपों से केबल चोरी हुई। ज्ञापन में पूर्व में दर्ज प्रकरण का उल्लेख करते हुए पुलिस से चोरी की घटनाओं की जांच कर आरोपियों और चोरी का सामान

खरीदने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। किसानों ने प्रभावित लोगों की एफआईआर दर्ज करने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

लैपटॉप प्रोत्साहन राशि अंतरण का स्कूलों में हुआ सीधा प्रसारण

संवाददाता

गाडरवारा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश के 1 लाख 21 हजार से अधिक विद्यार्थियों के खातों में लैपटॉप खरीदने के लिए 304 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों और शिक्षकों ने देखा। चीचली ब्लॉक के सालीचौका स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और सूखाखैरी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों में विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का प्रसारण देखा। कार्यक्रम में

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से लैपटॉप वितरित किए और उनसे संवाद भी किया। जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर जिले से चयनित विद्यार्थी आदित्य कुशवाहा और माही साहू अपने शिक्षकों के साथ भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में शामिल हुए। विद्यार्थियों की सहभागिता के लिए प्राचार्य प्रभात मिश्रा को नोडल अधिकारी बनाया गया था।

भक्ति से वैराग्य तक, भागवत कथा में जीवन का मर्म -आचार्य डॉ. गौरीशंकर शुक्ला

संवाददाता

रीवा। कैथा स्थित श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन आचार्य डॉ. गौरीशंकर शुक्ला ने प्रथम और द्वितीय स्कंध का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के माध्यम से परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग बताया गया है। कथा में प्रथम स्कंध के प्रसंगों के तहत भगवान के विभिन्न अवतार, देवर्षि नारद के जन्म-वृत्तांत, महाराज परीक्षित के जीवन एवं मोक्ष, भीष्म पितामह के प्राणत्याग, श्रीकृष्ण के द्वारका गमन तथा विदुर के नीति उपदेशों का वर्णन किया गया। द्वितीय स्कंध में भगवान के विराट स्वरूप, सृष्टि की उत्पत्ति और परम ब्रह्म के स्वरूप की व्याख्या की गई। आचार्य ने बताया कि सृष्टि के प्रत्येक जीव में वही परम ब्रह्म आत्मस्वरूप में विद्यमान है। इसी भाव को यथा पिंडे स ब्रह्मांडे, यथा ब्रह्मांडे सः पिंडे,के माध्यम से समझाया गया। कथा में श्री कृष्णार्पणमस्तु, के भाव के साथ भक्ति में दृढ़ रहने का संदेश भी दिया गया। 31 अगस्त से 7 सितंबर तक आयोजित कथा में श्रद्धालुओं से नियमित रूप से कथा श्रवण करने का आग्रह किया गया है।

भजनों से सजेगी जन्माष्टमी की भक्ति संध्या

संवाददाता

नरसिंहपुर। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को श्री देव राधावल्लभ मंदिर, नरसिंह परिसर में श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम रात 8 बजे से शुरू होगा। आयोजन में जबलपुर का प्रसिद्ध श्री जानकी बैंड भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से जुड़े भजनों की प्रस्तुति देगा। बैंड की खासियत यह है कि गायन और वादन सहित सभी प्रस्तुतियां महिला कलाकारों द्वारा दी जाती हैं। बैंड देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर प्रस्तुति दे चुका है। न्यास ने नगरवासियों से कार्यक्रम में शामिल होकर जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित भक्ति एवं सांस्कृतिक संध्या में सहभागिता की अपील की है।

नेटवर्क की तकनीकी समस्या से नहीं लग पा रही शाम की ई-अटेंडेंस

संवाददाता

डोभी। शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय छत्तरपुर में इन दिनों ई-अटेंडेंस व्यवस्था में आ रही तकनीकी समस्या के कारण शिक्षक परेशान हैं। शिक्षकों के अनुसार पिछले तीन दिनों से शाम के समय लगातार नेटवर्क बंद हो जाता है, जिसके चलते वे समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कर पा रहे हैं। शिक्षकों ने बताया कि शाम के समय नेटवर्क चले जाने के बाद कई बार छह बजे के बाद नेटवर्क वापस आता है। ऐसी स्थिति में शिक्षक उपस्थिति दर्ज कराने के लिए काफी देर तक इंतजार करने को मजबूर हैं। ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं होने पर वेतन कटने की आशंका को लेकर भी शिक्षक चिंतित हैं। शिक्षकों का कहना है कि नेटवर्क की समस्या उनके नियंत्रण से बाहर है, बावजूद इसके उपस्थिति दर्ज नहीं होने की स्थिति में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस संबंध में विद्यालय के शिक्षकों द्वारा संकुल प्राचार्य को भी समस्या से अवगत कराया जा चुका है। शिक्षकों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि नेटवर्क संबंधी तकनीकी समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाए तथा नेटवर्क बाधित होने के कारण ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं कर पाने वाले शिक्षकों को राहत दी जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से वेतन कटौती की चिंता न करनी पड़े।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शुरू

संवाददाता

मुंगवानी । एनएच-44 स्थित हनुमानगढ़ी, ग्राम मुंगवानी में मंगलवार को कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा में सहभागिता की। कथा स्थल पर पूजन-अर्चन के बाद कथा का शुभारंभ किया गया। 1 से 7 सितंबर तक आयोजित कथा में गौ पीठाधीश्वर महंत विपिन बिहारी दास महाराज

कथा व्यास हैं। प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक कथा होगी। धार्मिक आयोजन के साथ 3 सितंबर को रात 8 बजे अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव तथा 5 सितंबर को भजन गायिका शहनाज अख्तर की भजन संध्या होगी। 7 सितंबर को भंडारे के साथ आयोजन का समापन होगा। आयोजन के संरक्षक रविंद्र सिंह पटेल (पटनिया) हैं। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

पट्टे की जमीन के हस्तांतरण पर उठे सवाल, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

गोटेगांव। सरकारी भूमि के अवैध क्रय-विक्रय और पट्टे की जमीनों के हस्तांतरण में बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है, जिसको लेकर गोंडवाना समग्र क्रांति आंदोलन ब्लॉक शाखा गोटेगांव के तत्वावधान में महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोटेगांव के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा गया है। संगठन ने मौजा लमहेटा क्षेत्र में भूमि के फर्जी बैनामों और मूल पट्टाधारियों के अधिकारों के हनन पर गंभीर सवाल उठाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि मौजा लमहेटा के खसरा नंबर 107/2 रकवा 2.501 हेक्टेयर भूमि को लेकर दौलत गौड़ द्वारा तोड़ल पटेल को विक्रय किया गया था, जिसका बैनामा प्रमोद परधान (ठाकुर) के नाम से कराया गया है, जिसे तत्काल शासकीय मद में दर्ज किया जाए। इसके साथ ही खसरा नंबर 107/1, 107/2 और 107/3 की भूमि मूल रूप से शासन द्वारा पट्टेधारियों को जीवन यापन के लिए प्रदान की गई थी, जिस पर पट्टाधारी नन्हेंलाल व तुलसीराम के परिवार का कब्जा रहा है। पट्टे की इस भूमि का अन्य लोगों के नाम पर विक्रय और नामांतरण कैसे हुआ, इसकी गहराई से जांच कराई जाए। वर्तमान में खसरा नंबर 107/3 की भूमि देवेंद्र पांडे, आशा रानी अग्रवाल और आभा रानी अग्रवाल के नाम दर्ज होने पर आपत्ति जताते हुए इस पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बताया गया है। संगठन ने मांग की है कि इस मामले में वैधानिक कार्रवाई करते हुए संबंधित कृषि भूमि को वैध रूप से नन्हेंलाल के परिवार के वारिसों गुलाब लखन गौड़ के नाम पर दर्ज किया जाए।

श्रद्धांजलि सभा में वैदिक मंत्रों के साथ सामाजिक सुधार का संदेश

संवाददाता

करेली। डालचंद सनेडिया की पत्नी स्व. श्रीमती मुन्नी देवी सनेडिया की स्मृति में बुधवार को सामुदायिक भवन, सोमवारा बाजार में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। गायत्री परिवार के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार और प्रार्थना के साथ कार्यक्रम संपन्न कराया। उपस्थितजनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर परिवार द्वारा सामाजिक सुधार की दिशा में लिए गए निर्णय की सराहना की गई। परिवार ने ग्यारहवीं और गंगापूजन का आयोजन केवल कुटुंब तक सीमित रखने तथा मृत्युभोज जैसी परंपरा से दूर रहने का निर्णय लिया है। वक्ताओं ने कहा कि मृत्यु के बाद परिवार पहले ही मानसिक और कई बार आर्थिक कठिनाइयों से गुजरता है। ऐसे में सामाजिक दबाव में होने वाला अनावश्यक खर्च अतिरिक्त बोझ बनता है। इसके बजाय दिवंगत की स्मृति में जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, चिकित्सा, पौधारोपण और गौसेवा जैसे कार्य किए जा सकते हैं। उपस्थित सामाजिकजनों ने परिवार की पहल को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि सामाजिक कुरीतियों में बदलाव की शुरुआत ऐसे छोटे लेकिन सकारात्मक प्रयासों से ही होती है।

नई ट्रस्ट कार्यकारिणी में सुनील जैन अध्यक्ष निर्वाचित

संवाददाता

गोटेगांव। श्री रम्मेलाल सदानंद ट्रस्ट कमेटी (1008 शांतिनाथ जिनालय) की बैठक मंगलवार को आचार्य विद्यासागर सभागार में हुई। बैठक में आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। सभी पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। नई कार्यकारिणी में सुनील कुमार जैन अध्यक्ष, सचिन कुमार शास्त्री महामंत्री, संजय कुमार जैन (दादा) सहमंत्री, अमित जैन कोषाध्यक्ष, सुनील कुमार जैन सह कोषाध्यक्ष, अनिल जैन पत्रकार प्रचार-प्रसार मंत्री और अखिलेश जैन (बबलू) समन्वयक मंत्री नियुक्त किए गए। नवनियुक्त अध्यक्ष सुनील कुमार जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूरी टीम मिलकर ट्रस्ट के उद्देश्यों को आगे बढ़ाएगी और सामाजिक कार्यों को गति देगी। समाज के प्रबुद्धजनों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा परंपरा को समृद्ध करने वाले 102 पूर्व शिक्षकों का होगा सम्मान

संवाददाता

गोटेगांव। श्रीधाम गोटेगांव की शिक्षा परंपरा में योगदान देने वाले पूर्व शिक्षकों के सम्मान में 5 सितंबर को शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे सरस्वती शिशु मंदिर में होगा, जिसमें करीब 102 पूर्व शिक्षकों का अभिनंदन किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम विभाग, मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल होंगे। अध्यक्षता विधायक महेंद्र नागेश करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल और मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी पर्यावरण डॉ. उपेंद्र मणि शुक्ला सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधान पाठक राम प्रसाद चक्रवर्ती सहित हरिश्चंद्र शर्मा, हेतराम ठाकुर, रामजी ठाकुर, अशोक मुड़िया, अजय श्रीवास्तव, पुष्पा, गुलाब साहू, रतनचंद जैन और लोकेंद्र नेमा का सम्मान किया जाएगा। सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य परिवार को भी सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार समारोह का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और उनके अनुभवों को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनाना है। कार्यक्रम की तैयारियां श्री आदर्श शिक्षा समिति के पदाधिकारियों और सरस्वती शिशु मंदिर परिवार द्वारा की जा रही हैं।

संगठनात्मक योगदान के लिए जिला इकाई सम्मानित

संवाददाता

जबलपुर/नरसिंहपुर। वैश्य महासम्मेलन मध्य प्रदेश की संभागीय बैठक जबलपुर में आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, प्रदेश उपाध्यक्ष भगवान दास अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री सुनील कोठारी सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत बनाने और गतिविधियों को प्रभावी करने पर चर्चा की। बैठक के दौरान विभिन्न इकाइयों की गतिविधियों की समीक्षा की गई। महिला और युवा इकाइयों ने अपने कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। जबलपुर संभाग की ओर से जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा कोषाध्यक्ष सीए अखिलेश जैन सहित नवनिर्वाचित एल्डरमैनों का सम्मान किया गया। जबलपुर जिला अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने संगठन को 110 नए सदस्यों के आवेदन सौंपे। नरसिंहपुर जिले की सक्रियता और संगठनात्मक योगदान की सराहना करते हुए जिले को सम्मानित किया गया। सम्मान जिला प्रभारी बीडी सोनी, जिला अध्यक्ष अजय जैन, महिला इकाई प्रभारी मंजू सोनी, करेली तहसील प्रभारी पंकज गुप्ता और संभाग संगठन मंत्री मुकेश सिंघई सहित पदाधिकारियों ने प्राप्त किया। बैठक में नरसिंहपुर, गोटेगांव, करेली, गाडरवारा और तेंदूखेड़ा ब्लॉकों से संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भगवान बलराम जयंती पर मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

संवाददाता

तेंदूखेड़ा। किरार समाज द्वारा भगवान बलराम की जयंती किरार दिवस के रूप में मनाई गई। किरार भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान बलराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। समारोह में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। सामाजिक सौहार्द की पहल के तहत यादव, कुर्मी, कौरव, लोधी, पाल, साहू, नामदेव सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों को शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने सामाजिक एकता के साथ कुरीतियों को दूर करने, बच्चों को बेहतर संस्कार देने और शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में समाज सुधार और आपसी सौहार्द को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

नर्मदा तट की स्वच्छता के लिए युवाओं ने चलाया अभियान

संवाददाता

गोटेगांव। समीपवर्ती झांसीघाट में माँ नर्मदा युवा सेवा समिति द्वारा रविवार को नर्मदा तट और घाट परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। समिति के सदस्यों ने घाट और आसपास के क्षेत्र की सफाई कर लोगों को नर्मदा संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। समिति अध्यक्ष सत्येंद्र पटेल के नेतृत्व में आशीष पटेल, संजय यादव, पवन मेहरा, पंचम पटेल और साहिल मेहरा सहित सदस्यों ने अभियान में सहभागिता की। समिति द्वारा प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। समिति ने श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों से घाट परिसर में कचरा नहीं फैलाने तथा प्लास्टिक, पूजा सामग्री और अन्य अपशिष्ट नर्मदा में नहीं डालने की अपील की।

बारिश में कीचड़ बना आवागमन की बाधा, पक्की सड़क का इंतजार जारी

संवाददाता

गोटेगांव। जनपद पंचायत क्षेत्र के झोझा से दुभा गांव तक का मार्ग बारिश के दिनों में बदहाल हो गया है। सड़क पर जगह-जगह कीचड़ और पानी भरने से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है। पैदल चलना भी कठिन होने के कारण स्कूली छात्राओं और किसानों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के अनुसार मार्ग के पक्कीकरण की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हुआ। बारिश के दौरान गहरे कीचड़युक्त गड्ढों से होकर गुजरना मजबूरी बन जाता है। खेतों के बीच से गुजरने वाले इस मार्ग की बदहाली से रोजमर्रा का आवागमन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों से झोझा-दुभा मार्ग का शीघ्र पक्कीकरण कराने की मांग की है, ताकि बारिश के दौरान आवागमन की समस्या से राहत मिल सके।

टीबी मुक्त भारत अभियान में एनसीसी कैडेट्स ने संभाली जागरूकता की जिम्मेदारी

संवाददाता

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी इकाई ने टीबी मुक्त भारत अभियान 2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिला चिकित्सालय के क्षय एवं एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉ. देवेंद्र रिपुदमन सिंह ने कैडेट्स को टीबी के लक्षण, जांच और उपचार संबंधी जानकारी दी। अभियान के तहत कैडेट्स को घर-घर जाकर संभावित मरीजों की पहचान करने तथा लोगों को दो सप्ताह से अधिक लगातार खांसी, हल्का बुखार, रात में पसीना, वजन कम होना, भूख में कमी और कमजोरी जैसे लक्षणों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। लक्षण पाए जाने पर स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने और चिकित्सकीय सलाह का पालन करने की अपील की गई। कार्यक्रम में निक्षय मित्र पहल की जानकारी भी दी गई, जिसके तहत समुदाय, संगठनों और जनप्रतिनिधियों से टीबी मरीजों को जांच एवं आजीविका के स्तर पर सहयोग देने का आह्वान किया गया। एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ. राजेश कुमार ठाकुर, सीनियर अंडर ऑफिसर राधेश्याम इनवाती सहित एनसीसी कैडेट्स की सहभागिता रही।

सपनों को मिला अपना आशियाना, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता नारायणपुर

संवाददाता

रायपुर। अपने घर की छांव केवल चार दीवारें या छत नहीं होती, बल्कि यह परिवार की सुरक्षा, समाज में सम्मान और एक बेहतर भविष्य का अटूट भरोसा होती है। इसी सोच को धरातल पर उतारते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने नारायणपुर जिले के ग्रामीण परिवारों के इस चिरप्रतीक्षित सपने को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस योजना के माध्यम से पात्र ग्रामीण परिवारों को न केवल पक्के और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं, बल्कि उनके जीवन में एक अभूतपूर्व स्थायित्व, आत्मसम्मान और नए आत्मविश्वास का संचार भी हो रहा है।

जिले में 4 हजार 770 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण

नारायणपुर जिले में योजना के सुचारू क्रियान्वयन के तहत कुल 10 हजार 130 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 4 हजार 770 आवासों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 5 हजार 360 आवास द्रुत गति से निर्माणाधीन हैं। इस पूरे अभियान के माध्यम से जिले के कुल 10 हजार 130 ग्रामीण लाभार्थी एवं परिवार सीधे तौर पर लाभान्वित हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा आवास निर्माण की गति को बढ़ाने के साथ-साथ सभी पात्र परिवारों को समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

पक्का घर, परिवार की सुरक्षा का मजबूत आधार

ग्रामीण अंचल के परिवारों के लिए एक पक्का मकान महज रहने का स्थान नहीं होता, बल्कि यह उनके सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन की मजबूत आधारशिला होता है। वर्षों तक कच्चे, जर्जर और असुरक्षित मकानों में मौसम की मार झेलने वाले परिवारों को जब अपना पक्का आवास मिलता है, तो उन्हें मूसलाधार बारिश, भीषण गर्मी और अन्य प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों से स्थाई सुरक्षा मिल जाती है।

सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का हो रहा है निर्माण

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित ये पक्के मकान ग्रामीणों की जिंदगी में एक नई स्थिरता ला रहे हैं। अपने आशियाने का सपना पूरा होते ही इन परिवारों में भविष्य को लेकर एक नया विश्वास जगा है, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो रहा है।

4 हजार 770 परिवारों का सपना हुआ साकार

नारायणपुर जिले में योजना की प्रभावी प्रगति के फलस्वरूप अब तक 4 हजार 770 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। इन निर्माण कार्यों के पूरा होने के साथ ही वर्षों से अपने पक्के घर की आस लगाए बैठे हजारों ग्रामीणों का सपना साकार हुआ है। अपने नए और पक्के घर में गृह प्रवेश करना इन परिवारों के लिए केवल एक आवास पाना भर नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन की एक नई और सुनहरी शुरुआत है। इस आशियाने के साथ ही वे सामाजिक सुरक्षा, प्रतिष्ठा और स्थायित्व का अनुभव कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर, तेजी से बन रहे 5 हजार 360 निर्माणाधीन आवास भी बहुत जल्द पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं, जिससे आने वाले समय में और अधिक परिवारों को सुरक्षित छत नसीब होगी।

निर्माण कार्य से गांवों में बढ़ रही आर्थिक गतिविधियां

इस योजना का सकारात्मक और व्यापक प्रभाव केवल लाभार्थी परिवारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक नई दिशा दी है। मकान निर्माण की प्रक्रिया के दौरान स्थानीय स्तर पर राजमिस्त्रियों, मजदूरों, कारीगरों और निर्माण सामग्री के स्थानीय विक्रेताओं को बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। निर्माण कार्यों की इस श्रृंखला से गांवों के भीतर आर्थिक चक्र तेज हुआ है और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिला है। इस प्रकार, यह योजना न केवल ग्रामीणों को सिर छिपाने के लिए पक्की छत दे रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में भी अहम भूमिका निभा रही है।

पारदर्शिता और नियमित निगरानी पर विशेष जोर

योजना के निष्पक्ष और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए जिला पंचायत नारायणपुर द्वारा लगातार समीक्षा और कड़ी मॉनिटरिंग की जा रही है। ग्राम पंचायत से लेकर जनपद पंचायत स्तर तक निर्माण कार्य की हर चरण में गहन निगरानी रखी जा रही है, ताकि स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जा सके। हितग्राहियों को निर्माण के विभिन्न चरणों में आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन निरंतर प्रदान किया जा रहा है। इसके अलावा, आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जैसी पारदर्शी प्रक्रियाओं ने योजना के क्रियान्वयन में धांधली की गुंजाइश खत्म कर जवाबदेही और पारदर्शिता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

हर परिवार के लिए पक्का घर, बेहतर भविष्य की नींव

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण नारायणपुर जिले के लिए केवल एक सरकारी योजना भर नहीं है, यह ग्रामीण परिवारों के सुरक्षित जीवन, सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाया गया एक क्रांतिकारी कदम है। जिले में 10 हजार 130 स्वीकृत, 4 हजार 770 पूर्ण और 5 हजार 360 निर्माणाधीन आवास इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि जिला प्रशासन इस संकल्प को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। साथ ही, योजना से जुड़े 10 हजार 130 लाभार्थी इस जन-कल्याणकारी अभियान की व्यापक पहुंच को दर्शाते हैं। एक पक्का घर किसी भी परिवार की सबसे बड़ी पूंजी और उसकी आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार होता हैकृऔर नारायणपुर में यह सपना अब धरातल पर सच होता दिखाई दे रहा है।

एसएचजी और बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आज होगी अहम बैठक, शिवराज सिंह चौहान करेंगे

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 3 सितंबर को मुंबई में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)-बैंक संबंधों और महिला उद्यमियों के व्यक्तिगत उद्यम वित्तपोषण को लेकर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान तथा महाराष्ट्र सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री भी शामिल होंगे।

देशभर के बैंक और प्रमुख संस्थानों की होगी भागीदारी

बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक, वित्तीय सेवा विभाग, सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, सहकारी बैंक, नाबार्ड, पीएफआरडीए, विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशनों तथा अन्य प्रमुख संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी हिस्सा लेंगे।

लखपति दीदियों से करेंगे सीधा संवाद

बैठक शुरू होने से पहले केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, विशेषकर लखपति दीदियों, से संवाद करेंगे। ये महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सफल उद्यम स्थापित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल बन चुकी हैं।

10 करोड़ से अधिक महिलाओं को मिला मिशन का लाभ

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत अब तक 10 करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को 93 लाख से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। इस मिशन का उद्देश्य महिलाओं को संगठित कर उन्हें स्थायी आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ना है।

एसएचजी को मिला 13.67 लाख करोड़ रुपये का ऋण

बैंकिंग क्षेत्र ने मिशन को मजबूती देते हुए स्वयं सहायता समूहों को अब तक 13.67 लाख करोड़ रुपये से अधिक का संचयी ऋण उपलब्ध कराया है। बेहतर पुनर्भुगतान व्यवस्था के कारण बैंकिंग क्षेत्र का विश्वास भी लगातार बढ़ा है। इसी वित्तीय सहयोग से 3.46 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

वित्तीय समावेशन 2.0 पर रहेगा फोकस

बैठक में व्यक्तिगत उद्यम ऋण पोर्टफोलियो को दोगुना करने, स्वात को मिलने वाले ऋण की औसत राशि बढ़ाने, ऋण स्वीकृति और वितरण की प्रक्रिया तेज करने, दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग पहुंच बढ़ाने तथा जिला केंद्रीय सहकारी बैंक और प्राथमिक कृषि ऋण समितियोंकी भूमिका मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा होगी।

महिला उद्यमिता को मिलेगी नई दिशा

बैठक से निकलने वाले सुझावों के आधार पर वित्तीय समावेशन 2.0 की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों को समय पर पर्याप्त ऋण उपलब्ध कराना, महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए समर्पित वित्तीय सहायता सुनिश्चित करना तथा ग्रामीण भारत में आधुनिक वित्तीय सेवाओं का विस्तार करना है।

36 घंटे में बोलेरो चोरी का खुलासा, शातिर आरोपी गिरफ्तार, चोरी की बोलेरो, बाइक और नंबर प्लेट बरामद

संवाददाता

शक्तिनगर। पुलिस ने बोलेरो वाहन चोरी की घटना का महज 36 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे और उसकी निशानदेही पर चोरी की बोलेरो, एक अन्य चोरी की मोटरसाइकिल और बोलेरो की नंबर प्लेट बरामद की है। बीते 25 अगस्त की रात बारब्रिक प्रोजेक्ट लिमिटेड की बोलेरो संख्या जेएच 01 सीई 0558 को एनटीपीसी शक्तिनगर स्थित बीएचईएल गेट से करीब 50 मीटर अंदर डीएम प्लांट के पास खड़ा किया गया था। अगले दिन की सुबह करीब 8-30 बजे वाहन मौके से गायब मिला। काफी खोजबीन के बाद भी वाहन का पता नहीं चलने पर वाहन स्वामी की ओर से 31 अगस्त को थाना शक्तिनगर में तहरीर दी गई। मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। घटना के शीघ्र खुलासे और वाहन की बरामदगी के लिए पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों और सुरागरसी-पतारसी के आधार पर पुलिस ने अम्बिकेश्वर प्रसाद दुबे पुत्र गीता प्रसाद, निवासी ग्राम भुड़कुड़ राजमिलान, थाना माड़ा, जनपद सिंगरौली (मध्य प्रदेश) को एक सितंबर की रात गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की बोलेरो जेएच 01 सीई 0558, हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल एमपी 66 एमएफ 1040 और बोलेरो की नंबर प्लेट जेएच 01 सीई 0558 बरामद कर ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। शक्तिनगर सत्येंद्र राय के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रंजीत कुमार, उपनिरीक्षक दिनेश गौतम, हेड कांस्टेबल दिनेश गौतम और कांस्टेबल अमृतलाल शामिल रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध कार्रवाई, एक सप्ताह में 2 करोड़ 10 लाख से अधिक का मादक पदार्थ एवं संपत्ति जब्त

संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत एक सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध बिक्री एवं अवैध रूप से मादक पदार्थों की खेती के विरुद्ध पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लगभग 2 करोड़ 10 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब?त की है।

नीमच

जिले की पुलिस चौकी कंजार्डा ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 424 किलो अवैध डोडाचूरा, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 63 लाख 60 हजार है, जप्त कर 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया। एक अन?य कार्यवाही थाना जीरन पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के पदार्थ तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 12 क्विंटल 70 किलो अवैध डोडाचुरा एवं ट्रक सहित लगभग 65 लाख रूपए की संपत्ति जब?त कर 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने 01 करोड़ 28 लाख रूपए से अधिक की संपत्ति जब?त की है।

इंदौर

थाना चंदन नगर पुलिस ने नशा तस?कर के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विदेशी महिला आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 57.18 ग्राम कोकीन, मोबाइल फोन सहित लगभग 29 लाख रूपए की संपत्ति जब?त की है।

शिवपुरी

थाना कोतवाली पुलिस ने नशीले पदार्थों के विक्रय के विरुद्ध तीन अलग-अलग कार्यवाहियों में स्मैक का विक्रय करते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा। आरोपियों के कब्जे से 48.36 ग्राम स्मैक, मोटरसाइकिल एवं बुलेरो वाहन सहित लगभग 22 लाख 10 हजार रूपए की संपत्ति जब?त की है।

बालाघाट

पुलिस ने थाना चांगोटोला के एनडीपीएस एक्ट के अपराध में पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपी से पूछताछ के बाद ओडिशा में दबिश देकर एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 31.570 किलोग्राम गांजा, कीमत लगभग 16 लाख रूपए, का जब?त किया।

विदिशा

पुलिस ने अवैध मादक पदा?र्थों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए गंजबासौदा क्षेत्र से 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 18 ग्राम ब्राउन शुगर, 147 लीटर अवैध शराब, 500 एबल के इंजेक्शन, 70 सिरिंज, 32 मोबाइल एवं 01 मोटरसाइकिल सहित लगभग 9 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

उज्जैन

थाना जीवाजीगंज पुलिस ने नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए वाहन चेकिंग के दौरान ई-रिक्शा चालक को रोककर उसके कब्जे से 255 ग्राम अवैध चरस कीमत लगभग 2 लाख रूपये जब?त कर आरोपी को गिरफतार किया। वहीं थाना खाचरोद पुलिस ने बुरानाबाद जंगल में अवैध रूप से गांजे की खेती का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया तथा कुटिया के पास पेड़-पौधों की आड़ में उगाए गए 26 किलो 96 ग्राम गांजा कीमत लगभग 4 लाख रूपये का जप्त किया। दोनों कार्रवाइयों में लगभग 6 लाख रूपए का मादक पदार्थ जप्त किया।

मैहर

पुलिस ने थाना कोतवाली क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 152 शीशी नशीली कफ सिरप के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया।

मध्यप्रदेश पुलिस की कुशलता

इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्रवाई कर रही है। मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध बिक्री एवं इनके स्त्रोतों पर प्रहार करते हुए पुलिस द्वारा लगातार निगरानी, सूचना तंत्र को मजबूत करने तथा आरोपियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जनविश्वास पोर्टल, अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में होगा प्रभावी और लाभकारी सिद्ध - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संवाददाता

विदिशा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 7 अगस्त से आरंभ मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अब तक चार सप्ताह सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुके हैं। कम समय में ही अभियान का अत्यधिक सकारात्मक प्रभाव रहा है। जनप्रतिनिधियों से लेकर अधिकारियों तक सभी सप्ताह में एक दिन फील्ड पर जाकर जनता की समस्याओं का तुरंत निराकरण कर रहे हैं। जनविश्वास पोर्टल, अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने में प्रभावी और लाभकारी सिद्ध होगा। प्रत्येक स्तर पर अधिकारी इस पोर्टल में यूजर मैनुअल के अनुसार नियमित रूप से जानकारियां अपलोड करना सुनिश्चित करें। इसके समेकित उपयोग से मैदानी स्तर पर जनसामान्य को बहुत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जन विश्वास पोर्टल की आज मंत्रालय में लाँच कर यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन विश्वास अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यो की संपूर्ण जानकारी व्यवस्थित रूप से दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान पोर्टल बनाया गया है। पोर्टल पर अभियान के अंतर्गत किए गए भ्रमण, निरीक्षण, जन संवाद, उद्यम संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, नीतिगत विषय, अभियान के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों, जिले के प्रमुख नवाचारों और जिले की ओर से भेजे जाने वाले सुझावों को दर्ज किया जाएगा। प्रति सप्ताह दर्ज की जाने वाली जानकारी की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा की जाएगी और राज्य स्तरीय मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय भी होगा।

सेवा संकल्प अभियान

प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान की निहित बिन्दुओं का क्रियान्वयन किया जाएगा के संबंध में व्हीसी के माध्यम से आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी, वन मण्डलाधिकारी श्री हेमंत यादव , जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया के अलावा एडीएम, एसडीएम, समेत विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

पिपरी पुलिस ने पकड़ी 33 लाख की अवैध शराब, ट्रक समेत चालक गिरफ्तार

संवाददाता

रेणुकूट। अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन शुद्धि के तहत पिपरी पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 464 पेटियों में लदी 13,296 शीशियां अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की। बरामद शराब की कुल मात्रा 4077.36 लीटर बताई गई है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही शराब तस्करी में प्रयुक्त डीसीएम आइसर ट्रक और एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 33 लाख और ट्रक की कीमत करीब 27 लाख रुपये आंकी गई है। कुल बरामदगी की कीमत लगभग 60 लाख रुपये बताई गई है। पिपरी थाना प्रभारी राजेश चौबे के नेतृत्व में पुलिस टीम बुधवार को हाईटेक रेलवे क्रासिंग, मुर्धवा चर्च के पास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक डीसीएम ट्रक में भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब लादकर मुर्धवा तिराहा होते हुए बिहार और झारखंड की ओर ले जाई जा रही है।

सूचना पर पुलिस ने रनटोला की ओर मोड़ के पास चेकिंग शुरू कर दी। इसी दौरान मुर्धवा की ओर से आए डीसीएम को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक वाहन लेकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर करीब 200 मीटर आगे ट्रक को रोक लिया। चालक की पहचान हरियाणा के भिवानी निवासी 28 वर्षीय करन सिंह के रूप में हुई। ट्रक की तलाशी में 464 पेटियों में 13,296 शीशियां मिलीं। शराब की बोतलों पर 'फॉर सेल पंजाब ओनली ' अंकित था। चालक शराब के परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। उसके पास से मोबाइल फोन और 1200 रुपये नकद भी बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे ट्रक में जलजीरा कोल्ड ड्रिंक होने की जानकारी देकर भेजा गया था। बाद में शराब बिहार ले जाने की बात बताई गई। पुलिस के अनुसार तस्करी में शामिल अन्य लोगों और नेटवर्क की जांच की जा रही है। मामले में आबकारी अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

सीआईएसएफ और ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच एमओयू, ड्रोन व एंटी-ड्रोन सुरक्षा क्षमता होगी मजबूत

संवाददाता

नई दिल्ली। देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को उभरते हवाई खतरों से सुरक्षित रखने की दिशा में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। 28 अगस्त को सीआईएसएफ मुख्यालय में हुए समझौते पर बल की ओर से एमपीआरटीसी बहरोड़ के डीआईजी एवं प्रिंसिपल डॉ. सी.डी. नायक तथा डीएफआई के अध्यक्ष स्मित शाह ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में सीआईएसएफ के महानिदेशक प्रवीर रंजन समेत बल के वरिष्ठ अधिकारी और डीएफआई के प्रतिनिधि मौजूद रहे। सीआईएसएफ देशभर में 370 से अधिक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कर रहा है। इनमें विमानन क्षेत्र, परमाणु संयंत्र, अंतरिक्ष केंद्र और तेल रिफाइनरी जैसे संवेदनशील प्रतिष्ठान शामिल हैं। ड्रोन तकनीक के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल और इससे उत्पन्न संभावित खतरों को देखते हुए संदिग्ध ड्रोन की समय रहते पहचान कर उन्हें निष्क्रिय करना सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सीआईएसएफ के अनुसार, बल के 3,000 से अधिक जवानों को ड्रोन और एंटी-ड्रोन प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वहीं करीब 80 इकाइयां निगरानी, खतरे की पहचान और प्रशिक्षण के लिए ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल कर रही हैं। इसके अलावा ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में विशेषज्ञों की टीम भी गठित की गई है। एमओयू के तहत सीआईएसएफ के आरटीसी बहरोड़ को ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा। डीएफआई भारतीय ड्रोन स्टार्टअप और तकनीकी कंपनियों के साथ मिलकर क्षमता निर्माण, व्यावहारिक अनुसंधान और परिचालन तैयारियों को मजबूत करने में सहयोग करेगा। समझौते के तहत काउंटर-ड्रोन सिस्टम की तैनाती के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने, स्वदेशी फोरेंसिक उपकरण विकसित करने, संयुक्त अभ्यास और रेड-टीमिंग एक्सरसाइज आयोजित करने तथा विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल, छात्र हैकाथॉन और चैलेंज कार्यक्रम संचालित करने पर जोर दिया जाएगा। सीआईएसएफ महानिदेशक प्रवीर रंजन ने कहा कि यह समझौता बल के लिए महत्वपूर्ण है। इससे आरटीसी बहरोड़ को ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम के क्षेत्र में देश का अग्रणी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने तथा बदलते ड्रोन खतरों के खिलाफ सीआईएसएफ की तैयारियों को परखने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस और राहुल का हर दांव फेल क्यों हो जाता है.....

सुनील दास

राजनीति में मौका देखकर दांव चला जाता है तो जो होशियार नेता व पार्टी के रणनीतिकार होते हैं वह लाभ के साथ साथ दांव के हानि को लेकर सजग रहते हैं और दांव चलने से पहले उस पर गंभीरता से विचार किया जाता है और फायदे की जगह नुकसान होने पर पार्टी क्या करेगी, यह भी सोचा जाता है।यानी दांव चलने वाले होशियार नेता फायदे के लिए प्लान ए बनाते हैं तो नुकसान होने की स्थिति में नुकसान को कम करने के लिए प्लान बी भी बनाकर रखते हैं।कांग्रेस और राहुल गांधी कई बार राजनीतिक फायदे के लिए दांव तो चलते हैं लेकिन उसके फायदे के बारे में ज्यादा सोचकर,नुकसान के बारे में सोचते नहीं है, प्लान ए बनाकर संतुष्ट हो जाते हैं हम जैसा चाहते हैं वैसा ही होगा। इससे उनका हर दांव उल्टा पड़ जाता है, उससे राजनीतिक रूप से फायदे की जगह नुकसान होने का आशंका बढ़ जाती है।कांग्रेस के रणनीतिकार यह सोचते हैं कि उसके साथ जो राजनीतिक दल है वह उसका ही कहना मानेगा। वह यह सोच नही पाते हैं कि उसके साथ जो राजनीतिक दल है वह भी अपने राजनीतिक फायदे की सोच सकता हैऔर इससे उनको नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि तमिलनाडु की राजनीति में कांग्रेस जैसा चाहती है,वैसा हो नहीं रहा है और कांग्रेस के मंत्रियों को सरकार से इस्तीफा देने की धमकी देनी पड़ रही है। तमिलनाडु में कांग्रेस व टीवीके के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था।कांग्रेस जैसा चाहती थी, वैसा ही सबकुछ चल रहा था। कांग्रेस ने मान लिया था कि हमेशा ऐसा ही सबकुछ ठीक चलता रहेगा लेकिन राजनीति में कब क्या हो जाए कुछ तय नहीं रहता है। इस पल सब कुछ ठीक है तो दूसरे पल सबकुछ बिगड़ भी सकता है।

तमिलनाडु की राजनीति में मूड आफ नेशन के सर्वे में तमिलनाडु के सीएम जे,विजय तो राहुल गांधी के बाद पीएम पद के पसंद के तौर पर तीसरे स्थान पर है।इस पर टीवीके नेताओं डी सरथ कुमार व आधव अर्जुन ने उत्साहित होकर कह दिया कि आगामी 29 के लोकसभा चुनाव में दक्षिण से पीएम का चेहरा विजय होंगे और राष्ट्रीय राजनीति करेंगे।हर पार्टी के लोग चाहते हैं कि उनका नेता देश का बड़ा नेता होना चाहिए। जैसे कांग्रेस के नेता अपने नेता राहुल गांधी को पीएम पद का मजबूत दावेदार मानते हैं तो टीवीके के नेता भी अपने नेता को देश के पीएम पद का योग्य प्रत्याशी मानते हैं तो यह स्वाभाविक है कि दोनों दलों के नेताओं की तरफ से बयान के जवाब मे बयान तो आना ही है।कांग्रेस की तरफ से बयान नही दिया जा रहा है,टीवीके नेताओं को इस्तीफे की धमकी दी जा रही

है यानी राहुल गांधी को पीएम का चेहरा मानने के लिए टीवीके के नेताओं को मजबूर किया जा रहा है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने झङ्क्य से 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार स्वीकार करने की मांग की है, अन्यथा राज्य कैबिनेट से इस्तीफे की धमकी दी है। इस घोषणा ने तमिलनाडु की गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर एक गंभीर राजनीतिक संकट की आशंका पैदा हो गई है।

यह कदम कांग्रेस के लिए राहुल गांधी के नेतृत्व को स्थापित करने की दृढ़ता को दर्शाता है।तमिलनाडु के कांग्रेस नेताओं ने धमकी दी है कि अगर मुख्यमंत्री विजय की पार्टी %तमिलगा वेत्री कझगम राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के अगले उम्मीदवार के तौर पर स्वीकार नहीं करती है, तो वे राज्य कैबिनेट से इस्तीफ़ा दे देंगे। शनिवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, तमिलनाडु के पर्यटन मंत्री एस. राजेश कुमार ने कहा कि अगर झङ्क्य 2029 के आम चुनावों में गांधी का समर्थन नहीं करती है, तो कांग्रेस के दोनों मंत्री इस्तीफा दे देंगे।कुमार ने आगे कहा कि पार्टी अपने रुख से पीछे नहीं हटेगी और ज़ोर देकर कहा कि राहुल गांधी ही एकमात्र ऐसे उम्मीदवार हैं जिनका कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनावों में समर्थन करेगी। कांग्रेस की ओर से ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब झङ्क्य लगातार विजय को अगले प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर आगे बढ़ा रही है।

तमिलनाडु में टीवीके जीतने पर और द्रमुक के हारने पर कांग्रेस ने बरसो पुराने सहयोगी द्रमुक का साथ छोड़कर टीवीके के साथ चली गई थी। तब द्रमुक ने कहा था कि कांग्रेस ने उसकी पीठ में छुरा घोंपा है। यानी कांग्रेस ने एक तरह से द्रमुक से विश्वासघात किया था।कहते हैं तो जो विश्वासघात करता है उसके साथ भी कोई न कोई विश्वासघात करके सबक देता है कि आदमी जैसा करता है, उसके साथ भी वैसा ही होता है।कांग्रेस ने बरसों पुराने सहयोगी के साथ विश्वासघात किया था अपने फायदे के लिए तो उसे बुरा नहीं लगना चाहिए यदि टीवीके के नेता अपनी पार्टी व नेता के फायदे के लिए कांग्रेस के साथ विश्वासघात करने की संकेत अभी से दे रहे हैं। कांग्रेस के साथ विश्वासघात अभी हुआ नहीं है लेकिन हो सकता है, इस बात की आशंका तो बनी ही हुई है।

विजय के पास तमिलनाडु मे अच्छा काम करने के लिए अभी दो साल का समय है। वह अच्छा काम करते हैं और पीएम के तौर पर पूरे देश मे उनकी लोकप्रियता बढ़ती है तो वह राहुल गांधी के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते है क्योंकि वह साफ सुथरी छबि के हैं।दक्षिण में लोकप्रिय हैं, पूरे देश में अच्छा काम करने पर और लोकप्रिय हो सकते हैं। यानी वह राहुल गांधी से ज्यादा लोकप्रिय भी हो सकते हैं यही वजह है कि कांग्रेस नेता कह रहे हैं कि टीवीके पीएम के चेहरे के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन करे। कुल मिलाकर देखा जाए तो कांग्रेस ने जिसे मास्टर स्ट्रोक माना था तमिलनाडु में वह उसके लिए नुकसान का सौदा भी साबित हो सकता है।उसकी वजह यह है कि कांग्रेस ने इसमें अपना फायदा देखा था और यह सोच नहीं पाई कि टीवीके के कारण उसको क्या नुकसान हो सकता है।हो सकता है कि टीवीके अभी कांग्रेस की बात मान ले लेकिन मौका आने पर वह अपने फायदे के लिए वह कर सकती है जो वह अभी नहीं कर पा रही है। इसी तरह कांग्रेस ने सोचा था कि वह खरगे के अपमान का मुद्दा उठाकर दलितों को अपने साथ जोड़ सकेगी लेकिन यहां भी दांव उल्टा पड़ गया दलितों का अपमान करने के आरोप में उनको ही खिलाफ दलित नेताओं ने एफआईआर करा दी है। यहां भी कांग्रेस नेता समझ नहीं पाए कि सामने वाले क्या चाल चलने वाले है और उसका खामियाजा कांग्रेस को राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के रूप में भुगतना पड़ रहा है। राहुल गांधी तो गलती पर गलती करके अपनी साख गंवा रहे हैं, उनके सलाहकारों की गलत सलाह के कारण कांग्रेस को नुकसान हो रहा है। कुल मिलाकर राहुल गांधी न कांग्रेस को मजबूत कर पा रहे हैं और न राज्यों में विपक्ष को मजबूत कर पा रहे हैं।

हिमनद फटने से आई नेपाल में आपदा

प्रमोद भार्गव

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही का मूल कारण भूकंप नहीं बल्कि हिमनद का फटकर बाढ़ में परिवर्तित हो जाना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपना आरंभिक आंकलन बदलते हुए कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, अपितु एक हिमनद के बम की तरह फटकर ढहने और उसके मलबे के तेज बहाव के कारण आई है। इसके पहले इसी एजेंसी ने गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था। नेपाल के अखबार 'काठमांडू पोस्ट' के अनुसार 7,245 मीटर ऊंचीं लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ है। इससे पहले 2015 में आए भूकंप के केंद्र में भी यही पहाड़ था। हालांकि अभी भी नेपाल से सटे तिब्बत में हिमालय की ऊंचाई पर हिमनद के टूटने जो बाढ़ आई है, उसके कारणों की पड़ताल की जा रही है। बढ़ते वैष्विक तापमान के चलते जलवायु परिवर्तन भी इस आपदा का कारण माना जाता रहा है। ऐसा है तो इस जल प्रलय के समाधान दुनिया के विकसित देषों को खोजने की जरूरत है।

फिलहाल चीन द्वारा हिमालयी पर्यावरण बिगाड़ने में सर्वाधिक योगदान है। इस तबाही की षुरूआत भी नेपाल-चीन सीमा पर बहने वाली ल्हेंदे नदी में बाढ़ के मलबे में आई रुकावट से मानी जा रही है। इस रुकावट के टूटने से पहले एक बड़ी हिमनद झील बन गई थी। इसके फटने से भोटेकोषी नदी में कीचड़ और बड़े-बड़े पत्थरों का सैलाब आ गया था। इसके नीचे नेपाल की बस्तियों में बहने से तबाही मची। नतीजतन 359 लोग बाढ़ ने लील लिए और 826 लापता हैं, इनमें भारत समेत अन्य देषों के 590 पर्यटक हैं। इस घटना से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक की जिन हिमनद (ग्लेशियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्लावन आया है, वह 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित थी और मानव बस्तियां भी नहीं थीं। अधिक ऊंचाई पर होने के कारण आवाजाही भी कम थी। इंटरनेषनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार के विज्ञानियों द्वारा किए आंकलन से पता चला है कि ऐसी 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। चेतावनी भी दी गई है कि इनसे नेपाल की नदी प्रणालियों में इन हिमनदों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 झीलें हिमनद नेपाल में हैं और 25 झीलें तिब्बत की सीता पर स्थित हैं। ये हिमनद उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं। अतएव इनके फटने से बाढ़ आती है तो नीचे की ओर बसे जन-समुदायों और बुनियादी संरचना के लिए बढ़ा संकट पैदा हो सकता है। यही संकट वर्तमान में नेपाल की संरचनात्मक तबाही में देखा जा रहा है। यह चेतावनी यदि अनुमान पर खरी उतरती है तो कहा जा सकता है

कि नेपाल बर्बादी के मुहाने पर बसा है।

भारत में भी इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधीकरण के आंकड़ें डराने वाले हैं। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कष्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं। क्योंकि इन झीलों में बढ़ते वैष्विक तापमान के चलते बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं। लद्दाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनदों की संख्या में से 2,431 ऐसे हिमनद हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 10 हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है। हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से लीं गईं तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेष की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक 178 प्रतिषत बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में 10 लाख लोग ग्लेषियर झीलों के 10 किमी के दायरे में रहते हैं। याद रहे पिछले साल पांच अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाषी जिले में धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने के कारण भीशण बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। बादल फटने से हुई तेज बारिष ने गंगोत्री और हर्शिल के क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था।

संयुक्त राश्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पश्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एषिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्श चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैष्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिष, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे का कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृष्य खतरे इर्दगिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं। दरअसल वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवषोशित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्शों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में विलय हुआ है। इसके इतर मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवषोशित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढेगा, जो न केवल मानव प्रजाति, बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा।

हिमालय पर कई वर्शों से अध्ययन कर रहे 'वाडिया भू-विज्ञान संस्थान' की रिर्पोट के अनुसार हिमालय के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवषोशित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिष होती है तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूशण से भी हिमखंड दूशित कार्बन की चपेट में आए हैं। उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र ने निश्कर्श निकाला है कि पिछले 37 सालों में हिमाच्छादित क्षेत्रफल में 26 वर्ग किलोमीटर की कमी आई है। इस क्षेत्र में पहले स्थाई स्नोलाईन 5700 मीटर थी, जो अब 5200 मीटर के बीच घट-बढ़ रही है। यही बजह है कि नंदादेवी जैव-मंडल (बायोस्फियर) आरक्षित ऋशि गंगा के दायरे का कुल 243 वर्ग किमी क्षेत्र बर्फ से ढका था, लेकिन यह 2020 में 217 वर्ग किमी ही रह गया है। साफ है, तापमान बढ़ने का सिलसिला बना रहा और यदि बर्फ इसी तरह पिघलती रही तो जीव-जंतुओं और वनस्पतियां ही नहीं नेपाल की तरह मानव आबादियां भी जल प्रलय की चपेट में आती जाएंगी।

लक्ष्य जितना बड़ा होता है,पाना उतना ही मुश्किल होता है

हर आदमी,परिवार,समाज व देश का एक या कई लक्ष्य होते हैं।जिन्हें सभी हासिल करना चाहते हैं लेकिन लक्ष्य तय करना जितना आसान होता है लेकिन लक्ष्य को हासिल करना उतना आसान नहीं होता है। लक्ष्य छोटा होता है तो भी उसे हासिल करना आसान नहीं होता है,उसके लिए मेहनत करनी पड़ती है।लोगों का सहयोग लेना पड़ता है, लोगों को समझाना पड़ता है कि लक्ष्य हासिल करना व्यक्ति,समाज,गांव,शहर के लिए कितना लाभदायक होगा।लक्ष्य बड़ा हो तो उसे हासिल करना और मुश्किल होता है।जैसे किसी गांव में शराबबंदी करनी है तो शहर की तुलना मे वहां शराबबंदी आसान होता है क्योंकि गांव में कुछ सौ लोगों को ही इसके लिए तैयार करना पड़ता है, समझाना पड़ता है कि उससे गांव में परिवार में शांति होगी। गांव में थोड़े से लोग ही शराब पीने वाले होते हैं,ज्यादातर लोग नहीं पीने वाले होते हैं इसलिए कई बार सुनने में आता है कि फलाने गांव में गांव के लोगों ने शराबबंदी कर दी है। इससे गांव में अब शांति है,परिवार व गांव में लड़ाई झगड़ा कम हो गया है।

गांव की तुलना में शहर में शराबबंदी का लक्ष्य तो तय किया जा सकता है लेकिन इस पाना गांव की तुलना में कई गुना मुश्किल होता है। क्योंकि शहर की आबादी लाखों में होती है,शहर में लाखों लोग रोज शराब पीते हैं।लाखों लोगों के शराब पीने से सरकार को आय होती है।इसलिए सरकार शराब को परिवार,समाज के लिए बुरा मानते हुए भी उसकी बिक्री पर कोई रोक नहीं लगाती है।वह तो ज्यादा शराब दुकान खोलकर शराब की बिक्री से ज्यादा आय पाना चाहती है ताकि उसके खर्च बढ़े तो उसे कर्ज न लेना पड़े या आर्थिक तंगी न हो।सरकार एक तरफ अभियान भी चलाती है कि लोगों को बताती है कि शराब पीने से क्या नुकसान होता है और दूसरी तरफ शराब बेचने के लिए नई नई दुकाने भी खोलती जाती है।कई राजनीतिक दलों की सरकारें तो इससे राज्य के लिए खर्च का इंतजाम करने के साथ ही भ्रष्टाचार करके पार्टी फंड के लिए पैसा जुटाने का काम कर चुकी हैं,चुनाव लड़ने के लिए पैसों का इंतजाम शराब नीति में फेरबदल करके कर चुकी हैं।लोग भी चाहते है कि शराबबंदी होनी चाहिए और सरकार भी चाहती है कि शराबबंदी होनी चाहिए। लोगों को शराब नहीं पीनी चाहिए। इससे न घर में शांति रहती है और न शहर में शांति रहती है। इससे सबसे ज्यादा प्रभावित महिलाएं होती है इसलिए महिलाएं ज्यादा चाहती हैं राज्य में शराबबंदी होनी चाहिए। एक राजनीतिक दल ने महिलाओं से शराबबंदी का वादा कर वोट ले लिए चुनाव जीत गया लेकिन जब शराबबंदी करने की बात आई,वह शराबबंदी नही कर सका क्योंकि सत्ता मिलने के बाद उसे पता चला कि शराबबंदी का वादा करना जितना सरल होता है,शराबबंदी करना उससे कहीं ज्यादा मुश्किल होता है।बिहार मे एक सरकार ने शराबबंदी करके दिखा दिया कि राज्य में सरकार चाहे तो शराबबंदी की जा सकती है लेकिन उनको भी शराबबंदी के बाद पता चला कि शराबबंदी करना आसान है लेकिन राज्य में शराब की बिक्री पर रोक लगाना संभव नहीं है यानी शराबबंदी के बाद अवैध रूप से शराब की बिक्री होने लगती है।गुजरात में आजादी के बाद से शराबबंदी हैं लेकिन शराब तो वहां भी बिकती है और पीने वाले तो वहां भी पीते हैं।शराबबंदी करने का मतलब तो यह नहीं होता है कि लोग शराब पीना बंद कर देंगे। बल्कि शराबबंदी के बाद लोगों को अच्छी शराब नहीं मिलती है तो लोग दूसरे सूखा नशा करने लगते हैं, जहरीली शराब पीने लगते हैं। यानी नशे की समस्या तो बनी ही रहती है।इसलिए भी राज्य सरकारें अपने यहां शराबबंदी नहीं करती है। शराबबंदी से बड़ा लक्ष्य नशाबंदी होता है यानी समाज,राज्य व देश को नशामुक्त करने का लक्ष्य और बड़ा होता है,यदि किसी गांव को नशामुक्त करना हो तो वह किया जा सकता है लेकिन जैसे ही किसी शहर,जिला,प्रदेश व देश व युवा को नशामुक्त करने का लक्ष्य तय किया जाता है तो यह लक्ष्य बहुत बड़ा हो जाता है और इसे हासिल करना उतना ही मुश्किल होता है। नशामुक्त राज्य व नशामुक्त युवा का लक्ष्य राज्य सरकारों के लिए मुश्किल लक्ष्य होता है।

आज कमरछठ पर्व: संतान की लम्बी आयु के लिए माताएं रखती है निर्जला उपवास

छत्तीसगढ़ में रक्षाबंधन के बाद भादों मास के छठ तिथि को पारम्परिक कमरछठ (हलषष्टी) त्यौहार मनाया जाता है, महिलाएं अपनी संतान की लम्बी आयु व कुशलता सुख समृद्धि के लिए निर्जला उपवास रहती है, भगवान बलराम का मुख्य शस्त्र हल था और किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण साधन है इसलिए पर्व का नाम हलषष्टी पड़ा। बिहार या उत्तर भारत में छठ और छत्तीसगढ़ में कमरछठ को महापर्व के रूप में मनाते हैं। यह व्रत नियम व विधि विधान से सम्पन्न होता है, बिना हल चले वाला अन्न जिसे पसहर चावल (लाल भात) कहते हैं पुजा के बाद महिलाएं खाती हैं। कमरछठ केवल एक धार्मिक उपवास नहीं है बल्कि यह छत्तीसगढ़ी लोक जीवन में माताओं के असीम त्याग ममता और प्रकृति के प्रति समर्पण को दर्शाता है, यह पर्व आधुनिक युग में भी प्राचीन कृषि संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों को संजोए रखने का एक सशक्त माध्यम है।

पुजा विधि विधान = कमरछठ की पूजा विधि बहुत हि अनोखी व प्रकृति से जुड़ी हुई है, इस दिन माताएं सुबह महुआ डाल का दातुन करती है व स्नान करके व्रत शुरू करती है, गांव के चौक जहां पीपल का पेड़ हो उसके नीचे दो गड्ढे खोदकर कुआं जैसे बनाते हैं जिसे सगरी कहां जाता है। पानी भरके चारो ओर बोइर, परसा, कांसी डाल से सजाया जाता है। पुजा की सामग्री में चना, जौ, गेहूं, धान, अरहर, मक्का व मूंग के साथ कुछ गहने नारियल हल्दी से रंगे कपड़ा रखती है। पुजा में भैंस की दूध, दही व घी का हि उपयोग होता है। सगरी के पास बैठकर माताएं गौरा गौरी भगवान शिव पार्वती और हलषष्टी माता की विधिवत पूजा करती है।

कमरछठ त्यौहार में 6 अंक का बड़ा महत्व है पुजा में 6 प्रकार की सब्जी भाजी, 6 मिट्टी के छोटे छोटे घड़ा चुकिया, 6 महुआ पत्ते से बने दोना, 6 खिलौने, 6 लाई के दाने, 6-6 बार पानी डाला जाता है। पुजा के समय माताएं एकसाथ एकत्रित होकर कमरछठ की पारम्परिक व्रत कथा सुनती है, पूजा संपन्न के बाद, माताएं अपने बच्चों को बुलाकर उनके पीठ पर कपड़े या हाथ से महुआ के रंग की %पोती% (छह बार थपकी) लगाती हैं। इसके साथ ही बच्चों को भीगा हुआ चना, महुआ और लाई का प्रसाद खिलाती हैं। यह बच्चों को हर संकट से बचाने और उन्हें दीर्घायु बनाने के आशीर्वाद का प्रतीक मानी जाती है।

देव हीरा लहरी

चंदखुरी रायपुर

मेहनत का सम्मान, समय पर मेहनताना

बीबी-जी रामजी योजना से ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार के साथ आर्थिक संबल, 5,964 श्रमिकों को 53.91 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान

काम किया, मेहनत की और तय समय में मजदूरी खाते में पहुंच गई-अब परिवार की जरूरतें पूरी करने में आसानी होती है।55 ग्रामीण श्रमिकों के लिए समय पर मिलने वाली मजदूरी महज पारिश्रमिक नहीं, बल्कि परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का भरोसा भी है। धमतरी जिले में वीबी-जी रामजी योजना (विकसित भारत-जी रामजी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना) के प्रभावी क्रियान्वयन ने इसी भरोसे को मजबूती दी है। योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के साथ उनकी मेहनत का पारिश्रमिक निर्धारित समय-सीमा में सीधे बैंक खातों में पहुंचाया जा रहा है। 01 जुलाई 2026 से अब तक जिले में 5,964 श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से कुल 53.91 लाख रुपये की मजदूरी का भुगतान किया गया है। श्रमिकों की मजदूरी राशि निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 15 दिवस के भीतर सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। समयबद्ध भुगतान की यह व्यवस्था श्रमिकों के लिए आर्थिक सुविधा के साथ योजना के प्रति विश्वास का आधार भी बन रही है।

मेहनत की कमाई, परिवार की जरूरतों का सहारा

ग्रामीण परिवारों के लिए आय का प्रत्येक स्रोत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में समय पर मिलने वाली मजदूरी घर की आवश्यकताओं को व्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। श्रमिक इस राशि का उपयोग राशन, बच्चों की पढ़ाई, घरेलू उपयोग की सामग्री और अन्य आवश्यक खर्चों के लिए कर पा रहे हैं। बैंक खाते में सीधे राशि मिलने से

इसका सकारात्मक असर केवल श्रमिक परिवारों तक सीमित नहीं है। जब गांव में ही रोजगार मिलता है और उसकी मजदूरी समय पर प्राप्त होती है, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी गतिविधियां बढ़ती हैं। स्थानीय स्तर पर आय का प्रवाह होने से छोटी-छोटी जरूरतों की पूर्ति के लिए बाजार में मांग पैदा होती है और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को गति मिलती है।

समय पर भुगतान से बढ़ा काम के प्रति उत्साह

किसी भी रोजगार योजना की सफलता का महत्वपूर्ण आधार श्रमिकों का भरोसा और उनकी भागीदारी है। समय पर मजदूरी मिलने से श्रमिकों में योजना के अंतर्गत उपलब्ध रोजगार अवसरों के प्रति रुचि बढ़ी है। उन्हें यह विश्वास मिल रहा है कि काम के बदले मिलने वाला पारिश्रमिक निर्धारित प्रक्रिया के तहत सीधे उनके खाते में पहुंचेगा।स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध होने से श्रमिकों को काम की तलाश में दूर-दराज के क्षेत्रों में जाने की आवश्यकता भी कम होती है। इससे वे अपने परिवार और गांव से जुड़े रहते हुए आय अर्जित कर सकते हैं। योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को मजबूत करने के साथ स्थानीय विकास कार्यों में जनभागीदारी को भी बढ़ावा दे रही है। जिला पंचायत धमतरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप वीबी-जी रामजी योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र श्रमिक को समय पर रोजगार उपलब्ध कराने और निर्धारित समय-सीमा में मजदूरी भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। योजना के क्रियान्वयन एवं भुगतान प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि श्रमिकों को उनकी मेहनत की राशि प्राप्त करने में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि श्रमिकों के बैंक खातों में सीधे मजदूरी हस्तांतरित होने से व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत हुई है। प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली से श्रमिकों को उनकी मेहनत की कमाई समय पर मिल रही है, जिससे योजना के प्रति उनका विश्वास और भागीदारी दोनों बढ़े हैं।

रोजगार से आत्मनिर्भरता की ओर

वीबी-जी रामजी योजना ग्रामीण श्रमिकों को केवल रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आ रही है। समय पर मजदूरी, पारदर्शी भुगतान और गांव में ही रोजगार की उपलब्धताकृइन तीनों का समन्वय ग्रामीण परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार बन रहा है। धमतरी जिले में 5,964 श्रमिकों तक पहुंची 53.91 लाख रुपये की मजदूरी इस बात का प्रमाण है कि जब रोजगार के साथ मेहनत का उचित पारिश्रमिक समय पर मिलता है।

प्रेमगढ़ आश्रम कोसमी में 4 सितंबर को मनेगा कृष्ण जन्मोत्सव

प्रवचन, सत्संग, भजन, गुरु दीक्षा और मटकी फोड़ कार्यक्रम होगा

बैतूल। प्रेमगढ़ आश्रम कोसमी में शुक्रवार 4 सितंबर को दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कृष्ण जन्मोत्सव एवं झूला लीला का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रेम स्वामी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगा। इस दौरान प्रवचन, सत्संग, भजन, गुरु दीक्षा एवं मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण की झूला लीला का दर्शन कराया जाएगा। मटकी फोड़ कार्यक्रम के बाद श्रद्धालुओं को दही-लाई का प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजन में बंसीदास महाराज एवं राधा दास महाराज का सहयोग रहेगा। कार्यक्रम की साज-सज्जा एवं प्रसादी व्यवस्था में शिष्य छगल लोखंडे एवं पीयूष वर्मा द्वारा सहयोग किया जा रहा है। आयोजन समिति ने आने वाले सभी भक्तों एवं शिष्यों से कार्यक्रम में सहभागी होकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

ओबीसी जनगणना की मांग पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू, अंबेडकर चौक पर जुटे कार्यकर्ता

जनगणना में ओबीसी के अलग कॉलम की मांग

बैतूल। ओबीसी की जातिवार सटीक गणना और जनगणना में अलग विकल्प की मांग को लेकर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार से शुरू हो गया। डॉ. बीआर अंबेडकर चौक, नेहरू पार्क (सदर) में मोर्चा पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने धरना देकर केंद्र सरकार से मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की। मोर्चा के कार्यकर्ता प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक धरने पर बैठेंगे। पहले दिन प्रदर्शन के दौरान ओबीसी की जनसंख्या की वैज्ञानिक एवं सटीक गणना, जातियों के लिए यूनिक कोड आधारित व्यवस्था और जनगणना में ओबीसी के लिए पृथक विकल्प की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

- मांगों पर निर्णय तक जारी रहेगा प्रदर्शन

मोर्चा ने कहा कि एससी-एसटी की तरह ओबीसी के लिए भी जनगणना में अलग विकल्प दिया जाना चाहिए। ओपन कॉलम व्यवस्था के स्थान पर राज्यवार आधिकारिक मास्टर जाति निर्देशिका तैयार कर प्रत्येक जाति को यूनिक कोड देने तथा जातिगत आंकड़ों के संकलन और सत्यापन की प्रक्रिया पारदर्शी एवं वैज्ञानिक बनाने की जरूरत है।

- ओपन कॉलम व्यवस्था पर जताई आपत्ति

मोर्चा का कहना है कि पूर्व में अपनाई गई अनियंत्रित ओपन कॉलम व्यवस्था से जातिगत आंकड़ों में भ्रम की स्थिति पैदा होती है, जिसका सीधा असर ओबीसी वर्ग के अधिकारों पर पड़ता है। इसी मुद्दे को लेकर 25 अगस्त को भी प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलन को अनिश्चितकालीन किया गया है।

संगठनों और नागरिकों से शामिल होने का आह्वान

मोर्चा ने जिले के पिछड़ा वर्ग, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। मोर्चा पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मांगों पर सकारात्मक निर्णय होने तक धरना-प्रदर्शन जारी रखा जाएगा।

उत्तर प्रदेश के चुनाव: मोदी का भविष्य सीलबंद! परिणाम चाहे कुछ भी आए ?

राजीव खंडेलवाल (लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास))

भूमिका । उत्तर प्रदेश के चुनाव की चर्चा हो और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक भविष्य पर मंथन होने लगे, यह वर्तमान भारतीय राजनीति का अजीबोगरीब परिदृश्य है। इंडिया टुडे-सी वोटर के 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे ने इस पहेली को और हवा दे दी है। अगले छह माह में यूपी विधानसभा के होने वाले चुनाव के सर्वे की बजाय 2029 के लोकसभा चुनाव की तस्वीर दिखाकर ''एनडीए की वापसी'' का अनुमान जताया गया है। यद्यपि इसी साल जनवरी 2026 में किये गये सर्वे में एनडीए की 352 सीट की तुलना में अभी 326 सीटें दी गई है, जो मोदी की घटती हुई लोकप्रियता को दिखाती हैं। यद्यपि इन 324 सीटों में पश्चिम बंगाल का बड़ा योगदान है (पिछले 12 की तुलना में 35 सीटें) जो 2014 के चुनाव में नहीं था। यहीं से असली सियासी पेंच शुरू होता है। यूपी चुनाव के निहितार्थ-लखनऊ से दिल्ली तक' '। यह किसी से छिपा नहीं कि उत्तर प्रदेश भारतीय राजनीति की धुरी है। देश की सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें देने वाला उत्तर प्रदेश प्रायः प्रधानमंत्री की कुर्सी का रास्ता तय करता रहा है। शायद इसीलिए नरेन्द्र मोदी को गुजरात छोड़ वाराणसी का रुख करना पड़ा। इसलिए यह चुनाव सिर्फ लखनऊ की गद्दी का फैसला नहीं, बल्कि इसकी गूंज दिल्ली तक सुनाई देगी। लखनऊ की हार की तपिश दिल्ली तक महसूस होगी। मूड ऑफ द नेशन'' के आंकड़ों को यदि विधानसभा के चश्मे से देखें तो समाजवादी-कांग्रेस गठबंधन को 207 सीटों के आसपास बढ़त मिलती दिखती हैं। यदि हकीकत में भी योगी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता से चूक गई, तो यह केवल योगी की हार नहीं होगी। बल्कि मोदी के नेतृत्व और उनकी स्वीकार्यता पर भी तेजी से गंभीरता पूर्वक प्रश्न उठेंगें ही। जब नगर निगम से लेकर विधानसभा व उपचुनाव तक हर छोटी-बड़ी जीत का सेहरा मोदी के सिर बांधा जाता है, तो यूपी जैसे सबसे बड़े सूबे में हार का ठीकरा उनके दामन पर न लगे, यह कैसे संभव होगा? तब यह प्रश्न लाजिमी है कि क्या 2029 का चुनाव मोदी के ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा? आज इसका जवाब देना जल्दबाजी होगी, लेकिन इतना तय है कि यूपी में झटका लगा तो 2029 का नेतृत्व स्वतः मोदी के पास रहेगा, जैसा पूर्व में रहा, यह मानना भोलापन ही होगा। और सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न-क्या संघ भी तब ''मोदी'' को उसी तराजू में तौलेगा, जिस तराजू में वह समय-समय पर दूसरे चेहरों को तौलता रहा है? सियासत का अजीब खेल योगी हारे-जीते! सवाल मोदी पर । तस्वीर का दूसरा पहलू और भी दिलचस्प है। यदि सर्वे के अनुमान के विपरीत योगी के चेहरे पर भाजपा यूपी फतह करती है, तो क्या मोदी पूरी तरह सुरक्षित हो जाएंगे? जवाब फिर भी 'नहीं' होगा? क्यों? योगी की जीत सिर्फ भाजपा की जीत नहीं होगी। यह योगी के कद औहदे व व्यक्तित्व में कई गुना इजाफा करेगी। भाजपा व संघ परिवार की वैचारिक आधारशिला हिंदुत्व के प्रमुख चेहरों में सुश्री उमा भारती के बाद यदि किसी ने अपनी पहचान व 'धमक' बनाई है, तो वे ''योगी'' ही हैं। यूपी जैसा विशाल प्रदेश लगातार उनके साथ खड़ा रहा, तो राष्ट्रीय फलक पर उनका चेहरा और भी बड़ा प्रभावशाली होकर उभरेगा। ऐसे में संघ और भाजपा के सामने मोदी के बाद योगी का चेहरा एक सशक्त, स्वीकार्य और सफल विकल्प और भी मुखर होकर सामने आ जाएगा।' 2014 वाले मोदी बनाम 2024 के बाद वाले मोदी' '। 56 इंच का सीने के बल एक राजनैतिक जुमला नहीं'', बल्कि उनके व्यक्तित्व की दृढ़ता का प्रतीक बन चुका है। यही 2014-19 वाले मोदी और 2024 के बाद वाले मोदी की तुलना भी होने लगेगी। तब के मोदी ''56 इंच के सीने'' वाले निर्णायक और अड़िग नेता रहे। पिछले कुछ समय में जिस प्रकार राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदली हैं, उनसे यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या वह ''56 इंच वाला दृढ़ और मजबूत मोदी'' अब पहले जैसा है। जो नेता कभी परिस्थितियों की दिशा बदलने के लिए पहचाना जाता था, क्या आज परिस्थितियां ही उसके कदमों की दिशा तय करने लगी हैं? बार-बार उन्हें अपनी आदत के विपरीत कदम पीछे ले जाकर झुकना पड़ रहा है। राजनीति का ''क ख ग घ'' न जानने वाले ''जेन जी'' की बातों को, मांगों को उनकी शर्तो पर स्वीकार करना पड़ रहा है। यहां तक कि मीडिया में खबरें तैर रही हैं कि प्रधानमंत्री के इस्तीफा मांगने पर तीन मंत्रियों ने पल्ला झाड़ दिया। यदि यह सच है, तो यह केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नेतृत्व की पकड़ ढीली होने का संकेत है। हालांकि यह भी सच है कि नरेन्द्र मोदी विपरीत हवा को अपने पक्ष में मोड़ने के माहिर खिलाड़ी हैं। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव में पुलवामा आत्मघाती हमला का जवाब बालाकोट एयर स्ट्राइक द्वारा देकर, शदीहों के नाम से सफलतापूर्वक वोट मांगा था। तभी तो कहा जाता है- मोदी है तो मुमकिन है''। योगी की जीत होने पर श्रेय किसे ? यूपी में भाजपा की जीत होने पर मुख्यधारा मीडिया स्वभाविक रूप से इसका ''ताज मोदी के सिर पर'' रख देगी, लेकिन जमीनी हकीकत में शाबाशी का बड़ा हिस्सा योगी के खाते में जाना भी स्वभाविक होगा। चुनाव यूपी का है, चेहरा योगी का है, सरकार भी योगी की है। भारतीय राजनीति में ''मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री'' बनने की परंपरा बन रही है। मोदी स्वयं इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। तो क्या योगी आदित्यनाथ इस राह पर अगला कदम बढ़ा सकते हैं? भविष्य के गर्भ में है? आज कहना जल्दबाजी होगी, पर राजनीति में संभावनाओं के दरवाजे कभी बंद नहीं होते। कई बार चुनाव परिणाम ही उन दरवाजों की चाबी लेकर आते हैं। आज के राजनीतिक संकेतों को कल की अंतिम पटकथा मान लेना जल्दबाजी होगी। निष्कर्षः हार हो या जीत, डगर कठिन हैं । सार यही है-यदि योगी हारते हैं तो सवाल उठेगा कि मोदी के रहते यूपी हाथ से क्यों फिसला और इसका खामियाजा मोदी को कितना भुगतना पड़ेगा? क्योंकि हर जीत का श्रेय वे अभी तक अकेले लेते रहे हैं। यदि योगी जीतते हैं तो उनका कद इतना बढ़ जाएगा कि चुनाव के तुरंत बाद 2029 में 'मोदी के बाद, कौन' की बहस परवान चढ़ जाएगी। इसलिए यह चुनाव सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि लखनऊ की गद्दी पर कौन बैठेगा। बल्कि यह भी तय करेगा कि 2029 में दिल्ली की गद्दी की ''दिशा व दशा'' क्या होगी? यह चुनाव भाजपा के वर्तमान और भविष्य, योगी के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव और नरेन्द्र मोदी के आगे के नेतृत्व तीनों के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अग्निपरिक्षा सिद्ध हो सकती हैं

विविध समाचार

जीआईएस आधारित नवाचार के लिए मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर 'अचीवमेंट इन जीआईएस अवार्ड

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में गरुड़ पोर्टल के माध्यम से नगरीय निकायों में सुशासन और आधुनिक प्रबंधन को मिली नई पहचान

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सशक्त नेतृत्व और मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश नगरीय विकास, सूचना प्रौद्योगिकी तथा आधुनिक तकनीकों के समन्वय से प्रशासनिक दक्षता के नए मानदंड स्थापित कर रहा है। इसी श्रृंखला में राज्य के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा विकसित एकीकृत जीआईएस आधारित प्लेटफॉर्म %गरुड़% (जीआईएस आधारित अर्बन डेटा एनालिटिक्स सेंटर) के उत्कृष्ट और नवोन्मेषी उपयोग के लिए मध्यप्रदेश को प्रतिष्ठित 'अचीवमेंट इन जीआईएस अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के समारोह में एसरी इंडिया निदेशक श्री अजेन्द्र कुमार ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवे को यह सम्मान प्रदान किया। नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राज्य में तकनीक-आधारित सुशासन और पारदर्शी नगरीय प्रबंधन की दिशा में किए जा रहे ठोस प्रयासों का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि %गरुड़% के माध्यम से डेटा को निर्णय लेने का मुख्य आधार बनाया गया है, जिससे नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति, प्रशासनिक दक्षता और नागरिक सेवा वितरण प्रणाली में व्यापक सुधार आ रहा है। गरुड़% एक अत्याधुनिक एकीकृत जीआईएस आधारित डेटा एनालिटिक्स सेंटर है, जो नगरीय निकायों के विभिन्न शहरी और राजस्व संबंधी आंकड़ों को एक मंच पर लाकर उनका स्थानिक विश्लेषण करता है। इस डिजिटल नवाचार के माध्यम से राज्य के नगरीय निकायों में संपत्ति एवं राजस्व का मानचित्र-आधारित विश्लेषण, अपंजीकृत तथा संभावित नई संपत्तियों की सटीक पहचान और राजस्व संवर्धन के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जा रही है। इसके साथ ही, जलापूर्ति एवं सीवरेज नेटवर्क, भूमि उपयोग, अतिक्रमण नियंत्रण, भवन अनुज्ञा और नगरीय अधोसंरचना की रियल-टाइम डिजिटल निगरानी को अत्यंत सुदृढ़ और पारदर्शी बनाया गया है। गरुड़ प्रणाली के अंतर्गत विकसित पर्यवेक्षण मॉडल के माध्यम से नागरिक सुविधाओं और परिसंपत्तियों की वर्तमान स्थिति का सटीक डेटा-संचालित विश्लेषण संभव हो रहा है। यह प्रणाली शहरी निकायों की कार्यक्षमता बढ़ाने, बुनियादी ढांचे के रख-रखाव और जन-सुविधाओं के सुगम प्रबंधन में निर्णायक भूमिका निभा रही है।

औद्योगिक क्षेत्र के लिए जमीन आवंटन का विरोध,ग्रामीणों ने कलेटर को सौंपा आवेदन

बड़ोरी की 23 हेक्टेयर से अधिक जमीन आवंटित करने की प्रक्रिया पर आपत्ति, रास्ता बंद होने और खेती-पशुपालन प्रभावित होने की जताई आशंका

बैतूल। ग्राम पंचायत जसोंदी के ग्राम बड़ोरी के ग्रामीणों ने औद्योगिक क्षेत्र के लिए प्रस्तावित भूमि आवंटन का विरोध करते हुए कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि बड़ोरी आदिवासी गांव है और अधिकांश परिवार कृषि कार्य पर निर्भर हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, बैतूल द्वारा खसरा नंबर 33, 35 और 36 की क्रमशः 9.7240, 12.6260 और 0.8980 हेक्टेयर भूमि, कुल 23.248 हेक्टेयर, औद्योगिक क्षेत्र के लिए आवंटित करने की प्रक्रिया की जा रही है। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि जमीन औद्योगिक क्षेत्र में जाने से उनकी निजी कृषि भूमि तक पहुंचने वाला रास्ता बंद हो सकता है। इससे खेती के साथ पशुओं के चारे, जलावन ईंधन और ग्रामीणों की रोजमर्रा की आजीविका पर असर पड़ सकता है। ग्रामीणों ने कलेक्टर से मामले की जांच कराकर उनकी आपत्तियों को गंभीरता से लेने और ग्रामीणों के हित में उचित निर्णय लेने की मांग की है। उनका कहना है कि विकास जरूरी है, लेकिन ऐसा विकास नहीं होना चाहिए जिससे गांव की खेती और आजीविका प्रभावित हो।

राधा-कृष्ण की झांकी से सजेगा बीजासनी मंदिर, फूलों के पालने में विराजेंगे लड्डू गोपाल

बीजासनी मंदिर में जन्माष्टमी की धूम, वृंदावन जैसा उपवन और भव्य झांकियां रहेंगी आकर्षण का केंद्र

बैतूल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर बैतूल गंज स्थित बीजासनी माता मंदिर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट और विशेष लाइटिंग से सजाया जा रहा है। भव्य झांकियों के साथ मंदिर को नया स्वरूप देने में मंदिर समिति के सदस्य जुटे हैं। आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जन्माष्टमी पर मंदिर परिसर में राधा-कृष्ण की मनोहर झांकी के साथ लड्डू गोपाल और गौ माता की आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी। श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर में वृंदावन जैसा सुंदर उपवन तैयार किया जाएगा। फूलों से सुसज्जित लड्डू गोपाल का पालना भी आयोजन का विशेष आकर्षण रहेगा। पावन अवसर पर मंदिर में विराजित सभी माताओं, भगवान एवं देवी-देवताओं का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। दिव्य श्रृंगार से सुसज्जित विग्रह श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मंदिर परिसर की विशेष रोशनी और सजावट जन्माष्टमी के उत्सव को और भव्य बनाएगी। मंदिर संस्थापक एवं समिति अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। उन्होंने बीजासनी माता मंदिर समिति की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

सुंदरकांड की गूंज से भक्तिमय हुआ ग्राम भारती महिला मंडल परिसर

हनुमान भक्ति ने जगाई सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और सद्भाव की कामना के साथ श्रद्धालुओं ने किया सामूहिक पाठ

सारनी। हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि मन में विश्वास, सकारात्मक सोच और नई ऊर्जा का संचार करने वाली आध्यात्मिक साधना भी माना जाता है।इसी भावना को आत्मसात करते हुए ग्राम भारती महिला मंडल के क्षेत्रीय कार्यालय, शोभापुर कॉलोनी परिसर में श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत सुंदरकांड पाठ एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष भारती अग्रवाल ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके बाद सुंदरकांड का सामूहिक पाठ शुरू हुआ। जैसे-जैसे हनुमानजी की भक्ति में चौपाइयों का पाठ आगे बढ़ा,पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।भजनों और सुंदरकांड की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव किया।कार्यक्रम में शक्ति सदन में निवासरत महिलाओं और बच्चों के साथ स्थानीय श्रद्धालुओं तथा संस्था के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सभी ने एक स्वर में भगवान का स्मरण करते हुए परिवार,समाज और क्षेत्र में सुख,शांति,समृद्धि तथा आपसी सद्भाव की कामना की।आयोजकों ने कहा कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य केवल पूजा तक सीमित नहीं है,बल्कि इनके माध्यम से समाज में प्रेम, सद्भाव,सकारात्मक विचार और सेवा भावना को मजबूत करना भी है। सुंदरकांड के माध्यम से लोगों को जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना विश्वास और धैर्य के साथ करने की प्रेरणा मिली पूजा-अर्चना और सुंदरकांड पाठ के समापन के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भक्तिमय वातावरण में संपन्न कार्यक्रम ने सभी के मन में आस्था,विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का भाव और गहरा कर दिया।

जिले में पिछले 24 घंटे में औसतन 1.1 मिमी वर्षा दर्ज, अब तक औसतन 599.6 मिमी वर्षा दर्ज

बैतूल जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान औसतन 1.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक, भू-अभिलेख ने बताया कि 1 सितंबर प्रातः 8 बजे से 2 सितंबर प्रातः 8 बजे तक जिले के विभिन्न वर्षामापी केंद्रों पर वर्षा रिकॉर्ड की गई। उन्होंने बताया कि बैतूल में 7.8 मिमी, घोड़ाडोंगरी में 0.0 मिमी, चिचोली में 3.0 मिमी, शाहपुर में 0.0 मिमी, मुलताई में 0.0 मिमी, प्रभात पट्टन में 0.0 मिमी, आमला में 1.0 मिमी, भैंसदेही में 0.0 मिमी, आठनेर में 0.0 मिमी तथा भीमपुर में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में वर्षा ऋतु 2026-27 में अब तक औसतन 599.6 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। वहीं गत वर्ष 2025-26 में अब तक 805.0 मिमी वर्षा दर्ज हुई थी। उल्लेखनीय है कि जिले की सामान्य औसत वर्षा 1083.9 मिमी है तथा गत वर्ष की सामान्य औसत वर्षा 1097.4 मिमी रही थी।

भैंसदेही विधायक श्री चौहान ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिल्हौर के नव निर्मित भवन का किया शुभारंभ

बैतूल भैंसदेही विधायक श्री महेन्द्र सिंह चौहान ने बुधवार को भीमपुर विकासखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिल्हौर के छः बिस्तरीय नव निर्मित भवन का शुभारंभ किया गया। विधायक श्री चौहान ने अपने कहा कि चिल्हौर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुलने से ग्रामीण क्षेत्र में किसी भी प्रकार की दुर्घटना या बीमार होने की स्थिति में तत्काल उपचार मिलने से उनकी जान को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चिल्हौर एक आदिवासी और दुरस्थ क्षेत्र है, आस-पास के ग्रामवासियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि दामजीपुरा और चिल्हौर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को और विस्तृत बनाया जाएगा। उन्होंने बाउंड्रीवाल बनाने के लिए विधायक निधि से राशि प्रदाय किए जाने की भी बात कही। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि चिल्हौर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुलने से आस-पास के 50 ग्राम के आमजन को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सकेगा। चिल्हौर सेक्टर अंतर्गत ग्रामों में अधिकांश प्रसव घर पर होते थे। अब यहां संस्थागत और सुरक्षित प्रसव की सुविधा मिल सकेगी। घर पर प्रसव रोकने के लिए तथा प्रसव संस्थागत हो इसके लिये ग्रामवासियों से सहयोग की अपेक्षा की है। शुभारंभ कार्यक्रम में श्री ऊषा ढिकारे, श्री अशोक बिसोने, श्री नंदलाल परते, उप सरपंच श्री माखन चौहान, ग्राम पटेल श्री तुलसीदास, खंड चिकित्सा अधिकारी एवं स्वास्थ्य स्टाफ, आशा कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता में पाथाखेड़ा की अनन्या दिखाएंगी प्रतिभा

22 राज्यों के करीब 6 हजार विद्यार्थी होंगे शामिल, मध्यप्रदेश का करेंगी प्रतिनिधित्व

पाथाखेड़ा। नगर की होनहार छात्रा अनन्या डिगरसे ने यूसीमास अबेकस की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयनित होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। अनन्या 5 सितंबर को नवी मुंबई के वाशी स्थित सिडको एग्जीबिशन सेंटर में आयोजित होने वाली यूसीमास इंडिया की नेशनल लेवल अबेकस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देश के 22 राज्यों से करीब 6 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। 5 से 13 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों को विजुअल मैथ्स के तहत जोड़, घटाव, गुणा और भाग से संबंधित 200 सवाल निर्धारित समय में हल करने होंगे। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की गणितीय क्षमता के साथ उनकी गति और सटीकता की भी परीक्षा होगी।अनन्या ने इंदौर में आयोजित स्टेट लेवल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया। उनकी इस उपलब्धि से पाथाखेड़ा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने अनन्या को राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।अनन्या सहित बैतूल जिले के चयनित विद्यार्थी 3 सितंबर को इटारसी से नवी मुंबई के लिए रवाना होंगे। प्रतियोगिता के विजेताओं को 6 सितंबर को होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में ट्रॉफी,प्रमाण-पत्र और अन्य पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।अनन्या के राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने से पाथाखेड़ा और बैतूल जिले को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। क्षेत्रवासियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीय मंच पर सफलता की शुभकामनाएं दी हैं।

दादा धाम एक्सप्रेस फिर दौड़ाने की तैयारी तेज,रेलवे बोर्ड से हरी झंडी का इंतजार

बैतूल संसदीय क्षेत्र की रेल सुविधाओं पर अहम बैठक में उठी कई मांगें स्टॉपेज, नई ट्रेनों और रोजगारपरक रेल कारखाने का भी प्रस्ताव

सारनी। बैतूल संसदीय क्षेत्र में रेल सुविधाओं के विस्तार और लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर मध्य रेल मुंबई के महाप्रबंधक, नागपुर एवं भुसावल मंडल के रेलवे अधिकारियों तथा दोनों मंडलों के सांसदों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में नागपुर-भुसावल दादाधाम एक्सप्रेस को जल्द से जल्द पुनः प्रारंभ करने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया।बैठक में रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दादाधाम एक्सप्रेस को दोबारा शुरू करने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जा चुका है और जल्द ही इस पर हरी झंडी मिलने की उम्मीद है। ट्रेन के पुनः संचालन से बैतूल,मुलताई सहित आसपास के यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की संभावना है।इसके साथ ही बैतूल, आमला, मुलताई, घोड़ाडोंगरी, बरबतपुर और ढोढरामोहर स्टेशनों पर विभिन्न ट्रेनों के ठहराव की मांग रखी गई। आमला में नए ट्रेन स्टॉपेज के साथ रेलवे की खाली जमीन पर रेल कारखाना अथवा रोजगारपरक उद्योग स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया,ताकि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकें।बैठक में बैतूल-भोपाल सुबह की मेमू ट्रेन,नागपुर-भोपाल नई इंटरसिटी ट्रेन शुरू करने तथा अमरावती-मुंबई एक्सप्रेस का आमला तक विस्तार करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।अमृत भारत स्टेशन के काम में तेजी के निर्देश अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्यों में देरी पर अधिकारियों से चर्चा कर निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। वहीं सदर और रामनगर माचना अंडरब्रिज सहित अन्य लंबित कार्यों को भी जल्द आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।बैठक में सांसद दुर्गादास उईके, ज्ञानेश्वर पाटिल, विवेक बंटी साहू,सुनीता वाघ,अनूप संजय धोत्रे, अनिल भोंडे,श्यामकुमार भरवे,प्रतिभा धनोरकर, बलवंत वानखेड़े सहित रेलवे महाप्रबंधक राजीव श्रीवास्तव,उप महाप्रबंधक केके मिश्र,नागपुर एवं भुसावल मंडल के डीआरएम तथा रेलवे अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने की इन पहलों से बैतूल संसदीय क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा में नई टीम का ऐलान, गोलू चौकीकर को मिली सोशल मीडिया की कमान

29 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी घोषित; संगठन की गतिविधियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धार देने की जिम्मेदारी

सारनी।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा बैतूल ने संगठन को नई मजबूती देने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। मोर्चा के जिला अध्यक्ष किशोर बड़े ने बुधवार को 29 पदाधिकारियों की सूची जारी की।कार्यकारिणी का गठन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश तथा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार, संभागीय संगठन प्रभारी कांत देव सिंह,जिला संगठन प्रभारी सुदर्शन गुप्ता एवं भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पंवार की सहमति से किया गया।घोषित कार्यकारिणी में 5 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 5 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 कार्यालय प्रभारी एवं 1 सह कार्यालय मंत्री सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। कार्यकारिणी में बगडोना निवासी गोलू चौकीकर को सोशल मीडिया प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके मनोनयन से मोर्चा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन के कार्यक्रमों और गतिविधियों को सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने में गोलू चौकीकर की सक्रिय भूमिका पहले से रही है। नई जिम्मेदारी मिलने पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गोलू चौकीकर को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री से मिले विधायक पंडाग्रे,विकास के मुद्दों पर खुली चर्चा

बैराज-जलाशय से लेकर बिजली, सड़क और नए वितरण केंद्रों तक क्षेत्र की जरूरतों का रखा खाका; मुख्यमंत्री ने दिया सकारात्मक आश्वासन

सारनी। विधानसभा क्षेत्र आमला-सारनी के विकास को गति देने और क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं के समाधान को लेकर विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान विधायक ने क्षेत्र की जनसमस्याओं और लंबित विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष विस्तार से चर्चा की।भाजपा सारनी मंडल के महामंत्री संजीव सिंह उर्फ नन्हे ने बताया कि विधायक श्री पंडाग्रे क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात में किसानों के हित में नए बैराज एवं जलाशयों के निर्माण की मांग प्रमुखता से रखी गई।इसके साथ ही आमला- सारनी क्षेत्र में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नए विद्युत वितरण उपकेंद्रों की स्थापना, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण तथा मौजूदा सड़कों के उन्नयन का मुद्दा भी उठाया गया।विधायक ने मुख्यमंत्री को बताया कि इन कार्यों से किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी विषयों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए सकारात्मक आश्वासन दिया।विधायक पंडाग्रे ने कहा कि जनता के विश्वास को विकास की ताकत बनाकर आमला-सारनी के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

अजा मोर्चा की जिला कार्यसमिति घोषित

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल जी के निर्देशानुसार एवं अनुसूचित जाती मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवानसिंह परमार, संभागीय संगठन प्रभारी कांतदेवसिंह , जिला संगठन प्रभारी सुदर्शन गुप्ता, जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार की सहमति से अनूसुचित जाती मोर्चा जिलाध्यक्ष किशोर बरदे ने मोर्चा जिला कार्यसमिति की घोषणा की है। घोषित कार्यसमिति में मोर्चा जिला उपाध्यक्ष राजेश पाटिल (बिरूलबाजार), सुरेश गायकवाड (बैतूलबाजार), राजेश ढोलेकर (आमला), अनिल मंडलेकर (बैतूल), अशोक बिसौने (चिल्हौर), जिला महामंत्री विवेक जावलकर (बडोरा), चंपालाल बडोदे (शाहपुर), जिला मंत्री हेमराज नागले (सारनी), शिवपाल उबनारे (आमला), जितेन्द्र बेले (आमला), अंशुमन बचले (बैतूल), नितेश भुजवरे (घोडाडोगरी), जिला कोषाध्यक्ष विजय गायकवाड (आठनेर), सह कोषाध्यक्ष शारदा पाटिल (बैतूल), कार्यालय मंत्री सूरज मंदरे (बैतूल), सह कार्यालय मंत्री संतोष बडोदे (सीमोरी भीमपुर), मीडिया प्रभारी नितीन खातरकर (आमला), सह मीडिया प्रभारी सचिन खातरकर (बैतूल), सोशल मीडिया प्रभारी गोलू चौकीकर (बगडोना), सह सोशल मीडिया प्रभारी सोनम पहाडे (मुलताई), सह सोशल मीडिया प्रभारी इंद्रकुमार बारसे (पाढर), जिला आई टी प्रभारी राजकुमार बिंझाडे (पाढर), सह आईटी प्रभारी राकेश अतुलकर (बैतूल), मन की बात प्रभारी सुनिल बिहारे (मुलताई) बनाया गया है। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य मुकेश पथरोट, लक्ष्मण भौरसे , ममता जगदीश कोगे, सुमन संदीप बिहारे और चोलाराम आठोले को बनाया गया है।

खेती में तकनीक की नई दस्तक, किसानों को मिली बीज उपचार मशीन

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान संगोष्ठी का आयोजन, वैज्ञानिक खेती और कम लागत पर विशेषज्ञों ने दिया जोर

सारनी। कृषि विज्ञान केंद्र दमोह में बुधवार को एसजीपी परियोजना के तहत ग्राम भारती महिला मंडल संस्था द्वारा किसान संगोष्ठी एवं कृषि यंत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पथरिया विकासखंड के असलाना,भटपुरा,हिनोता, चकेरी और महुना क्षेत्र से पहुंचे किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक और वैज्ञानिक खेती से जोड़ना तथा खेती में समय,मेहनत और लागत कम कर उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। इस दौरान किसान समिति को बीज उपचार मशीन वितरित की गई। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को बीज उपचार की सही विधि,मशीन के इस्तेमाल और इससे होने वाले फायदे की जानकारी दी।कार्यक्रम में उप संचालक कृषि दमोह जे.एल.प्रजापति,किसान मोर्चा भाजपा के प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा महाराज सिंह लोधी, प्रदेश सदस्य नर्मदा (एकता) सिंह,कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख डॉ. मनोज अहिरवार,वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.राजेश द्विवेदी,महुना के सचिव राजेश खरे और असलाना के उपसरपंच सरदार सिंह सहित किसान एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।उप संचालक कृषि जे.एल.प्रजापति ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं, अनुदान और सहायता प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खेती में आधुनिक मशीनों और वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल करने से किसानों की मेहनत और लागत दोनों कम हो सकती हैं। किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल ने कहा कि खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए नई तकनीक अपनाना समय की जरूरत है। कृषि वैज्ञानिकों ने बीज उपचार को स्वस्थ और बेहतर फसल उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए किसानों को इसे नियमित रूप से अपनाने की सलाह दी।मशीन मिलने पर किसानों ने खुशी जताई। उनका कहना था कि इससे बीज उपचार का काम आसान होगा और खेती में नई तकनीक अपनाने को बढ़ावा मिलेगा। ग्राम भारती महिला मंडल संस्था ने बताया कि परियोजना के तहत किसानों को आधुनिक खेती, टिकाऊ कृषि पद्धतियों और तकनीकी जानकारी से जोड़ने का प्रयास लगातार जारी है।

बढ़ते बिजली बिल एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में स्वतंत्र किसान पार्टी का प्रदर्शन

जिला कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

आठनेर । बढ़ते हुए बिजली बिल एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में आज स्वतंत्र किसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अयाज खान के नेतृत्व में आठनेर नगर सहित आसपास के कई ग्रामों से आए सैकड़ो उपभोक्ताओं ने तहसील पहुंचकर तहसीलदार को जिला कलेक्टर के नाम से एक ज्ञापन सौंपा और बढ़ते बिजली बिल एवं स्मार्ट मीटर के विरोध में जोरदार नारेबाजी की इस अवसर पर श्री अयाज खान के नेतृत्व में सभी स्मार्ट मीटर के उपभोक्ताओं ने एक रैली निकालकर मुख्य बस स्टैंड से तहसील तक सभी उपभोक्ता रैली के रूप में पहुंचे और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया एवं तहसीलदार को ज्ञापन में बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के बाद सभी उपभोक्ताओं की बिजली बिल अचानक बढ़कर आ रहा है दो कमरों के छोटे मकान और कम बिजली खपत करने वाले परिवारों को भी 4000 से 5000 तक के बिजली बिल प्राप्त हो रहे है इससे गरीब मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है स्वतंत्र किसान पार्टी ने मांग की है कि अधिक भारवाले उपभोक्ताओं के मीटर और बिलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक खपत के आधार पर बिलों में सुधार किया जाए साथ ही जांच पूरी होने तक बिजली कनेक्शन काटने जैसी कार्यवाही नहीं की जाए स्मार्ट मीटर को हटाकर पहले की तरह पुराने मीटर लगाए जाए जिससे जनता को राहत मिल सके इस अवसर पर स्वतंत्र किसान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अयाज खान एवं पार्टी के कई नेता पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने इस मांग को पूरीकरने एवं उपभोक्ताओ पर पड़ने वाले अतिरिक्त भार को खत्म करने की जिला कलेक्टर से मांग की है स्वतंत्र किसान पार्टी की प्रमुख मांगे ,,,स्मार्ट मीटर वापस हो बिजली बिल कम हो ,जो लाइन कटी है उसे तुरंत जोड़ा जाए ,इस बरसात के मौसम में लोग अंधेरे में ना रहे उनके आशियानों में तुरंत बिजली मिले सरकार ऐसी व्यवस्था तुरंत करें

सेवानिवृत्ति पर शिक्षक को दी विदाई

संवाददाता

गाडरवारा। चीचली ब्लॉक के ग्राम घोघरा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में पदस्थ शिक्षक छोटेलाल कौरव के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन से हुई। इस अवसर पर चीचली बीआरसी डीके पटेल, संकुल प्राचार्य ओमप्रकाश कौरव, सत्यम ताम्रकार सहित शिक्षकों ने छोटेलाल कौरव को शाल, श्रीफल और उपहार भेंट कर विदाई दी। सेवानिवृत्त शिक्षक ने सभी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

खुली नाली से आंगनबाड़ी में बच्चों और महिलाओं का आवागमन प्रभावित

संवाददाता

बरहटा। ग्राम पंचायत बरहटा के मुड़िया मोहल्ला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 के परिसर में बनाई गई खुली नाली से बच्चों और गर्भवती महिलाओं को आने-जाने में परेशानी हो रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता देवकी रजक ने बताया कि पंचायत से अंडरग्राउंड नाली बनाने का आग्रह किया गया है, ताकि परिसर में बच्चों की आवाजाही सुरक्षित हो सके। खुली नाली के कारण बच्चों को परिसर में स्वतंत्र रूप से खेलने में भी दिक्कत होती है। कार्यकर्ता के अनुसार केंद्र में 13 गर्भवती और 8 धात्री महिलाएं दर्ज हैं, जबकि 6 माह से 3 वर्ष तक के 40 तथा 3 से 6 वर्ष तक के 60 बच्चों की संख्या बताई गई है। केंद्र में दर्ज 35 बच्चों में से 25 निजी स्कूलों में जा रहे हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने पंचायत से परिसर में अंडरग्राउंड नाली बनवाने की मांग की है, ताकि बच्चों और महिलाओं को आवागमन में परेशानी न हो।

जिला स्तरीय थ्रो बॉल में खिलाड़ियों ने दिखाया खेल कौशल

संवाददाता

गाडरवारा। स्कूल शिक्षा विभाग के सत्र 2026-27 के अंतर्गत जिला स्तरीय शालेय थ्रो बॉल प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय पीएमश्री कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। अंडर-19 आयु वर्ग की बालक एवं बालिका स्पर्धा में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से आए विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के आधार पर संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों का चयन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय स्टाफ सहित पीटीआई मुकेश पटेल, विक्रम शर्मा, अजय सोनी, आदित्य द्विवेदी, राबिन सिंह, आकाश कौरव, ज्योति धानका और वैशाली बिजोरिया सहित निर्णायक मंडल की भूमिका रही।

गंदगी और कीचड़ से घिरा शहीद स्मारक,व्यवस्था सुधारने की मांग

संवाददाता

बरहटा। ग्राम पंचायत बरहटा के मुड़िया मोहल्ला स्थित दुर्गा चौक में अमर शहीद घनश्याम मुड़िया स्मारक के आसपास गंदगी, कचरा और कीचड़ जमा होने से लोगों को परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों ने स्मारक परिसर की नियमित सफाई कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि स्मारक के आसपास सीमेंट की कुर्सियां और रेलिंग लगाई जाएं तथा रंग-रोगन कराकर परिसर का सौंदर्यीकरण कराया जाए। उन्होंने पंचायत और संबंधित विभाग से शीघ्र आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

संतान की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना से मनाया हलछठ पर्व

संवाददाता

नरसिंहपुर। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि पर हलषष्ठी (हरछठ/हलछठ) का पर्व जिलेभर में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। माताओं ने संतान की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना को लेकर दिनभर निर्जला व्रत रखा। भगवान श्रीकृष्ण के ज्येष्ठ भ्राता बलराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व पर महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नरसिंहपुर, गोटेगांव, गाडरवारा,करेली, तेंदूखेड़ा सहित ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने समूह में एकत्र होकर पूजन किया। शिव-पार्वती, गणेश और कार्तिकेय की पूजा के साथ महुआ, पसई (तिन्नी) के चावल और छह प्रकार के अनाज अर्पित किए गए। मान्यता के अनुसार हल से जोते गए खेतों के अन्न का सेवन इस व्रत में वर्जित रहता है। महिलाओं ने पूजा के बाद पसई के चावल, बिना हल जुती भाजी तथा महुआ और भैंस के दूध-दही व घी का उपयोग कर व्रत का पारण किया। पूजन के दौरान बुजुर्ग महिलाओं ने नई पीढ़ी को हलछठ पर्व की कथा, धार्मिक मान्यताओं और परंपराओं की जानकारी दी। पर्व को लेकर महिलाओं और युवतियों में उत्साह रहा। व्रती महिलाओं ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई देते हुए संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख-शांति की मंगलकामना की।

रक्षा बंधन पर विश्व बंधुत्व और पवित्रता का संदेश

संवाददाता

नरसिंहपुर। रक्षा बंधन के अवसर पर दिव्य संस्कार भवन में प्रबुद्ध एवं गणमान्य नागरिकों के साथ आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। ब्रह्मकुमारी कुसुम दीदी ने रक्षा बंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि पवित्रता, सद्भाव और आत्मिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ईश्वरीय ज्ञान और पवित्रता का रक्षा सूत्र जीवन में आने वाली नकारात्मकता से रक्षा करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में कुसुम दीदी ने उपस्थित नागरिकों को रक्षा सूत्र बांधा, मुंह मीठा कराया और ईश्वरीय सौगात भेंट कर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में करीब 100 नागरिकों सहित मातृशक्ति ने सहभागिता की। अंत में सभी ने ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया।

गन्ने का भुगतान अटका, किसान परेशान

संवाददाता

नरसिंहपुर। गन्ने का बकाया भुगतान नहीं मिलने से परेशान किसान ओमकार ठाकुर ने कलेक्टर को आवेदन देकर राशि दिलाने की मांग की है। किसान के अनुसार उन्होंने अपनी गन्ना फसल महाकौशल शुगर मिल, बचई को बेची थी, जिसका 6 लाख 8 हजार 210 रुपये भुगतान अब तक लंबित है। किसान का कहना है कि बकाया राशि के लिए वे कई बार मिल के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। उनका परिवार खेती पर निर्भर है और लंबित राशि के कारण परिवार के जरूरी खर्चों के लिए आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसान ने कलेक्टर से मिल प्रबंधन से बकाया राशि शीघ्र दिलाने की मांग की है।

स्थाई रास्ता नहीं होने से किसान परेशान, लगाई गुहार

संवाददाता

नरसिंहपुर। गोटेगांव तहसील के ग्राम जटलापुर निवासी किसान हाकम सिंह लोधी ने कलेक्टर को आवेदन देकर निजी भूमि और मकान तक पहुंचने के लिए स्थाई रास्ता दिलाने की मांग की है। किसान के अनुसार उनकी भूमि राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है, लेकिन मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए सीधा रास्ता उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में ऊबड़-खाबड़ नालों से होकर लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। बारिश में रास्ता बंद हो जाने से मरीजों को अस्पताल ले जाने, बच्चों के स्कूल पहुंचने और कृषि उपज बाजार तक ले जाने में परेशानी होती है। किसान ने प्रशासन से स्थाई रास्ता स्वीकृत करने की मांग की है।

एमपी ट्रांसको ने अगस्त माह में 135 सर्किट किलोमीटर की 6 नई ट्रांसमिशन लाइनें पूर्ण कर स्थापित किया नया कीर्तिमान

भोपाल

मध्यप्रदेश में अगस्त माह में हुई लगातार भारी वर्षा और चुनौतीपूर्ण मौसम परिस्थितियों के बावजूद मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अगस्त माह में कुल 135.90 सर्किट किलोमीटर लंबाई की 132 केवी की कुल 6 ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण एवं सेकंड सर्किट के कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं। इसमें रेलवे के लिए तैयार की गई एक महत्वपूर्ण लाइन भी शामिल है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि पर अमले को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, विश्वसनीय एवं सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और लगातार हो रही वर्षा के बीच एमपी ट्रांसको के अभियंताओं एवं कर्मचारियों ने समर्पण और दक्षता के साथ कार्य करते हुए यह उपलब्धि अर्जित की है। इन कार्यों के पूर्ण होने से प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा भविष्य की बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

अगरत माह में 6 महत्वपूर्ण लाइने हुई पूर्ण

एम पी ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री के. एम. सिंघल ने बताया कि अगस्त माह में 132 केवी डबल सर्किट सिंगल स्ट्रिंग आलोटङ्कताल ट्रांसमिशन लाइन के सेंकड सर्किट का 19.56 सर्किट किलोमीटर, गंज बासौदाङ्कसहरवासा लाइन के सेंकड सर्किट का 28.92 सर्किट किलोमीटर तथा कैमोरङ्कबरही लाइन के सेंकड सर्किट का 32.40 सर्किट किलोमीटर कार्य पूर्ण किया गया। उन्होंने बताया कि 132 केवी सब स्टेशन सनावद से आरटीएस निमारखेड़ी तक 15.90 सर्किट किलोमीटर लंबी 132 केवी डबल फेज डबल वायर रेलवे ट्रैक्शन लाइन का निर्माण कार्य गंभीर निर्माण चुनौतियां के कारण लंबी अवधि से पूर्ण नहीं हो पा रहा था, जिसे स्थानीय प्रशासन के सहयोग से रेल्वे के इस लाईन कार्य को भी गहन वर्षाकाल मे पूर्ण किया गया। इसके अतिरिक्त बिलकिसगंजङ्कमुगालिया छाप लाइन के सेंकड सर्किट का 17.27 सर्किट किलोमीटर तथा रतनगढ़ङ्कसिंगोली लाइन के सेंकड सर्किट का 21.85 सर्किट किलोमीटर निर्माण कार्य भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

पौधों के जीवन रक्षण और हरित संवर्धन में प्रशिक्षित माली कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण - आयुक्त श्री भोंडवे

भोपाल

प्रदेश के नगरीय निकायों में हरित आवरण का निरंतर विस्तार करने, रोपे गए पौधों की वैज्ञानिक देखभाल सुनिश्चित करने तथा पार्कों के योजनाबद्ध एवं सौंदर्यबोध आधारित प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भौंरी स्थित सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगरीय प्रबंधन संस्थान (एसपीएनआईयूएम) में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन हुआ। 1 एवं 2 सितंबर 2026 को आयोजित इस कार्यशाला में राज्य के सभी 10 संभागों से लगभग 215 से 220 माली कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रशिक्षण सत्रों में नर्सरी प्रबंधन, लैंडस्केपिंग, पार्क डिजाइनिंग तथा पौधारोपण की आधुनिक व प्रामाणिक तकनीकों पर विस्तृत ज्ञान साझा किया गया। इसके साथ ही 'नमो हरित-नगर योजना' के अंतर्गत व्यवस्थित पौधारोपण के माध्यम से शहरों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के व्यावहारिक उपायों से संभाग स्तरीय प्रतिनिधियों को अभिभूत कराया गया। नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि प्रदेश में ÷अमृत हरित महाभियान÷ के तहत अब तक 51 लाख से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है, जो राज्य की एक विशिष्ट उपलब्धि है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि वास्तविक सफलता केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक पौधे को एक स्वस्थ और विशाल वृक्ष के रूप में विकसित करने में समाहित है, जिसमें प्रशिक्षित माली कर्मचारियों का समर्पण सर्वाधिक निर्णायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि 'नमो हरित-नगर योजना' एवं %अमृत हरित महाभियान% के समन्वित प्रयासों से प्रदेश के सभी नगरों में टिकाऊ और पर्यावरण-संवर्धित शहरी स्वरूप विकसित किया जा रहा है। कार्यशाला के समापन पर समस्त संभागों से आए प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण में अर्जित वैज्ञानिक ज्ञान को अपने-अपने नगरीय निकायों में निष्ठापूर्वक लागू करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यशाला में सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी श्री अशोक मिश्रा, एसएमएमयू के टीम लीडर डॉ. उदय रोमन, सेवानिवृत्त उद्यानिकी विशेषज्ञ श्री सर्वेश तिवारी एवं लैंडस्केप आर्किटेक्ट सुश्री रूपम मिश्रा ने सहभागिता कर कर्मचारियों को पौध पोषण, मृदा प्रबंधन, सिंचाई, कटाई-छंटाई और नियमित रखरखाव की सूक्ष्मताओं का व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रशिक्षण का मुख्य ध्येय नगरीय निकायों में कार्यरत जनशक्ति का कौशल संवर्धन करना है, जिससे पौधों के जीवित रहने की दर में वृद्धि हो सके। प्रशिक्षित माली कर्मचारियों के माध्यम से शहरों के पार्कों और हरित पट्टियों का रख-रखाव अधिक प्रभावी होगा, जिससे आम नागरिकों को स्वच्छ, निर्मल और हरित वातावरण प्राप्त हो सकेगा।

एनटीपीसी इंजीनियरों से मारपीट और लूट,मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अन्य तीन आरोपियों की तलाश जारी, नकदी के साथ जबरन ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कराने का आरोप

संवाददाता

गाडरवारा। गाडरवारा रेलवे स्टेशन के बाहर एनटीपीसी में कार्यरत दो इंजीनियरों के साथ मारपीट कर नकदी छीनने और जबरन ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कराने का मामला सामने आया है। घटना 30 अगस्त की शाम करीब पांच बजे रेलवे स्टेशन के साइकिल स्टैंड के पास हुई। मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अजीत कौरव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। वारदात में शामिल बताए जा रहे तीन अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एनटीपीसी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत रोहित और सैयद मुईनुद्दीन को अजीत कौरव द्वारा शाम करीब पांच बजे रेलवे स्टेशन के साइकिल स्टैंड के पास बुलाया गया था। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद दोनों के साथ मारपीट की गई। इसी दौरान उनके पास मौजूद नकदी छीन ली गई तथा दबाव बनाकर ऑनलाइन माध्यम से भी रुपए ट्रांसफर कराए गए। पुलिस के अनुसार घटना में करीब पांच हजार रुपए नकद छीने जाने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा जबरन कराए गए ऑनलाइन लेनदेन की राशि और उससे जुड़े विवरणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों ने किस माध्यम से ऑनलाइन ट्रांजैक्शन कराए और इस दौरान कितनी राशि का लेनदेन हुआ। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296, 115(2) और 309(4) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अजीत कौरव को गिरफ्तार कर लिया। न्यायालय में पेश किए जाने के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस अब मामले में शामिल अन्य तीन आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही घटना के कारण, आरोपियों की भूमिका, छीनी गई नकदी और ऑनलाइन माध्यम से कराए गए लेनदेन सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़े अन्य तथ्य स्पष्ट होंगे।

रसायन के क्षेत्र में आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय का योगदान विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन

आमला
संवाददाता

आमला। डॉ भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय आमला में भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अंतर्गत रसायन के क्षेत्र में आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय का योगदान विषय पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो गुलाबराव डोंगरे की अध्यक्षता एवं मुख्य वक्ता पुष्पक देशमुख सहायक प्राध्यापक रसायन शास्त्र साईं कृपा महाविद्यालय मुलताई के विशेषआतिथ्य में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता पुष्पक देशमुख ने कहा कि आचार्य पी सी राय भारतीय रसायन शास्त्र के जनक माने जाते है इन्होंने ब्रिटिश शासन काल में 1901 में भारत में बनाओ के आधार पर अंग्रेजों से भेद भाव पूर्ण व्यवहार के कारण उन्होनें बंगाल केमिकल ऑफ़ फार्मास्यूटिकल लिमिटेड कंपनी की केवल 700 रुपये के व्यय पर स्थापना की और बंगाल के युवाओं को रोज़गार से लगाकर आत्मनिर्भर बनाया और अपने पूरे जीवन काल में अपने देश और राष्ट्र के लिए कार्य करते रहे,सादा जीवन जीकर समाज सेवा करते रहे भारतीयो में अपार क्षमता के उदाहरण दिए तथा रसायन के योगिक मर्क्यूरस नाइट्राइट के स्थायित्व के विषय में जानकारी दी जो रसायन के क्षेत्र में दुनिया के लिए महत्वपूर्ण खोज थी जिसके लिए उन्हें मास्टर ऑफ़ नाइट्राइट की उपाधि से सम्मानित किया गया ।महाविद्यालय प्राचार्य प्रो गुलाबराव डोंगरे ने कहा कि आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जी ने रसायन जैसे विषय का कितना महत्व है सभी बच्चों को रसायन जैसे विषय का ज्ञान होना चाहिए और अपने देश के विकास में आचार्य ज़ी जैसे राष्ट्रभक्त का योगदान महत्वपूर्ण रहा । वरिष्ठ

प्राध्यापक मुकेश इवने ने भी आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जी के विज्ञान जैसे क्षेत्र में उनके राष्ट्र के प्रति योगदान को सराह ।कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक जगदीश जी उइके ने किया।कार्यक्रम का आभार भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी लोकेश झरबड़े द्वारा किया गया इस अवसर पर डॉ जगदीश पटैया, डॉ माधुरी धोटे,डॉ पंचम सिंह कवड़े ,डॉ सुनीता सोलंकी , राजा अतुलकर , डॉ उमेश डोंगरे, डॉ संजय भटकर, डॉ कल्पना बारस्कर,प्रो. आशीष सोनी, प्रो अनिता मानकर,प्रो. देविका देशमुख , अभय ढिंढोरे श्रीमती शीला दवंडे ,श्रीमती पूजा दवंडे,श्रीमती अंजीर दावड़े,श्रीमती यश्री कहार, दीपक कारले,श्रीमती राशि साहू, श्रीमती मीनाक्षी भोपते, भूपेंद्र चौकीकर, जुबेर कुरेशी, हजारीलाल भलावी, संजीत भारती, महेंद्र सिंगड़े सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बहुसंख्यक विद्यार्थी उपस्थित थे ।

गांव का प्रतिरूप-भाण्डवा

हमारा गांव अपनी रूढ़ीगत और पारंपरिक शैली के लिए अपनी अलग पहचान रखता है। हमारे पुरखों ने प्रकृति के गुणों को समझते हुए जीवन जीने का जो मार्ग बताया है, वही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। समय-समय पर उन्होंने अनेक त्योहारों, पूजा-पाठ और रीति-रिवाजों को हमारे जीवन का आधार बनाया। ये परंपराएं केवल धार्मिक कर्मकांड नहीं हैं, बल्कि सही जीवन चक्र, प्रकृति से जुड़ाव और समाज में पारदर्शिता का प्रतिबिंब हैं। यही हमारी संस्कृति की ताकत है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज हमारे ग्राम के मुखियाओं एवं समस्त ग्रामवासियों की सहमति से मुठवा बाबा एवं माताश्री देव स्थल पर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। ग्राम में फैल रही बीमारियों को दूर करने और गांव में शांति-सुख बनाए रखने के उद्देश्य से सवा महीने का ÷बंधस÷ बांधा गया है। बंधस की शर्तें÷1. दारू, मांस और मदिरा का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। 2. सभी ग्रामवासी अपने-अपने मोहल्लों में निगरानी रखेंगे। 3. कोई भी व्यक्ति इन शर्तों के विरुद्ध जाकर अनुचित कार्य न करे, इसका सभी ध्यान रखें। 4. इस नियम का पालन करना हर परिवार का कर्तव्य है। हम सभी से अनुरोध है कि गांव की मर्यादा और पुरखों की परंपरा को बनाए रखने के लिए इस बंधस का पूरी श्रद्धा और अनुशासन के साथ पालन करें। आइए मिलकर अपने गांव को बीमारी मुक्त, नशा मुक्त और संस्कार युक्त बनाएं। जय मुठवा बाबा, जय माताश्री सरपंच एवं समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत भाण्डवा

संतान की दीर्घायु और खुशहाली के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

नगर के जहवार वार्ड में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ मनाया गया हरछठ का पर्व

आमला
संवाददाता

आमला। नगर के जहवार वार्ड सहित आसपास के क्षेत्रों में हरछठ (हलषष्ठी) का पावन पर्व अपार श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। माताओं ने अपनी संतान की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना को लेकर निर्जला व्रत रखा। जहवार वार्ड में यूथ कांग्रेस महासचिव संजोगी बर्थे की उपस्थिति में महिलाओं ने एकजुट होकर भगवान बलराम और माता पुष्टि की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

हल से जुते अनाज का नहीं किया सेवन, पसई चावल और महुआ के पत्तों से तैयार किया विशेष प्रसाद

हरछठ व्रत के दौरान महिलाओं ने ऐसे किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन नहीं किया, जिसे उगाने के लिए जमीन में हल जोता गया हो। व्रतधारियों ने केवल बिना जुती

जमीन से पैदा होने वाले पसई के चावल, महुआ के पत्ते और भैंस के दूध-दही का ही उपयोग किया। महुआ के पत्तों और कांस की छड़ियों के साथ पूजा अर्चना कर माताओं ने अपनी संतानों की पीठ पर पोई के पत्तों से थपकी देकर उन्हें बुरी नजर से बचाने का पारंपरिक अनुष्ठान पूरा किया।

जहवार वार्ड में दिखी सामाजिक समरसता, संजोगी बर्थे ने माताओं के समर्पण को बताया प्रेरणादायक

कार्यक्रम के दौरान जहवार वार्ड में सामाजिक समरसता की अद्भुत झलक देखने को मिली। यूथ कांग्रेस महासचिव संजोगी बर्थे ने महिलाओं के साथ पूजन में भाग लिया और पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति और मातृशक्ति के असीम समर्पण का प्रतीक है। पूजा समाप्त होने के बाद महिलाओं ने हरछठ माता की कथा सुनी, आरती उतारी और बच्चों को दीर्घायु होने का आशीर्वाद देकर पसई चावल का प्रसाद वितरित किया।

आमला में अकीदत और रूहानियत के साथ मनाया गया जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी

जाने ईद मिलादुन्म हो नूरी जामा मस्जिद कमेटी जाप सभी का हे दिल से इस्तकबाल

दैनिक बंसी संदेश
अजय बचले

आमला। पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा के यौम-ए-पैदाइश की खुशी में मनाए जाने वाले मुबारक पर्व जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आमला में अकीदत, मोहब्बत और रूहानियत से सराबोर माहौल देखने को मिला। शहर के पीर मंजिल चौक में रविवार, 30 अगस्त 2026 को बाद नमाज़-ए-ईशा महफ़िल-ए-नात व तकरीरी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। नूरी जामा मस्जिद कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। देर रात तक पीर मंजिल चौक नातिया कलाम, सलाम और उलेमा-ए-किराम की पुरअसर तकरीरों से गूंजता रहा। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहर के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद पहुंचे। महफ़िल के दौरान लोगों में खासा उत्साह नजर आया। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वाले अकीदतमंदों ने पूरी अकीदत और अनुशासन के साथ महफ़िल में बैठकर उलेमा-ए-किराम के बयानात एवं नातख्वानों द्वारा पेश किए गए नातिया कलाम को सुना। उलेमा-ए-किराम ने पैगंबर-ए-इस्लाम ? की शिक्षाओं पर डाला प्रकाश महफ़िल में विभिन्न स्थानों से आए उलेमा-ए-किराम ने अपनी तकरीरों के माध्यम से पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा ? की सीरत उनके जीवन और उनकी शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।

स्मार्ट मीटर पर भड़का आक्रोश, उपभोक्ताओं ने विभाग को सौंपा ज्ञापन

बिना सहमति मीटर बदलने और बढ़े बिजली बिलों पर उठे सवाल,स्वतंत्र किसान पार्टी ने दी आंदोलन की चेतावनी

आठनेर। बिजली व्यवस्था को आधुनिक और पारदर्शी बनाने के दावों के बीच आठनेर तहसील में स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं का असंतोष सामने आया है। स्वतंत्र किसान पार्टी ने जनता के साथ खड़े होकर बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अयाज खान के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में उपभोक्ताओं की सहमति के बिना पुराने मीटर हटाकर स्मार्ट मीटर लगाए जाने सहित कई गंभीर मुद्दे उठाए गए।ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई परिवारों के बिजली बिल सामान्य बिलों की तुलना में दो से तीन गुना तक बढ़ गए हैं। अचानक बढ़े बिजली बिलों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की बात कही गई। पार्टी ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की है।नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया कि कई मामलों में पर्याप्त पूर्व सूचना दिए बिना बिजली कनेक्शन काटे जा रहे हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की दिनचर्या और परिवारों के रोजमर्रा के जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, डिजिटल एवं प्रीपेड मीटर की कार्यप्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं को पर्याप्त जानकारी नहीं दिए जाने पर भी नाराजगी जताई गई।

जनता की मांग-पहले समाधान, फिर कार्रवाई

स्वतंत्र किसान पार्टी ने मांग की है कि आठनेर क्षेत्र में उपभोक्ताओं की सहमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। बढ़े हुए बिजली बिलों की स्वतंत्र जांच कर प्रभावित उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। बिना उचित सूचना काटे गए कनेक्शनों को बिना अतिरिक्त शुल्क के बहाल किया जाए तथा स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली, रिचार्ज और तकनीकी समस्याओं को लेकर उपभोक्ताओं को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराई जाए।ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि जनहित से जुड़े इन मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो स्वतंत्र किसान पार्टी जनता के साथ मिलकर शांतिपूर्ण आंदोलन का रास्ता अपनाएगी। पार्टी ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और बिजली व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित कराना है।

96 प्रतिशत अंक लेकर जिले में टॉप करने वाले अभिषेक को सीएम ने लैपटॉप देकर किया सम्मानित

बैतूल। कक्षा 12वीं में 96 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल के छात्र अभिषेक नागले को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लैपटॉप देकर सम्मानित किया। भोपाल में 1 सितंबर को आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में अभिषेक को यह सम्मान मिला। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक लेकर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए 1 सितंबर को मिनटो हाल के सभागृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभिषेक नागले को लैपटॉप सौंपकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अभिषेक ने कक्षा 12वीं में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बैतूल जिले में टॉप किया था। अभिषेक नागले की इस उपलब्धि से शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल का भी गौरव बढ़ा है। उनकी सफलता पर परिवार और विद्यालय में खुशी का माहौल है। अभिषेक लाइफ लाइन बडोरा, बैतूल निवासी एडवोकेट दिनेश कुमार नागले के पुत्र हैं। मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने पर अभिषेक ने अपनी उपलब्धि से जिले का नाम भी गौरवान्वित किया है।

छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग, शिक्षा संजीवनी अभियान के नाम पर गुमराह करने के विरोध में एनएसयूआई का कलेक्ट्रेट घेराव आज

बदहाल शिक्षा व्यवस्था और पीपीपी मोड मेडिकल कॉलेज के विरोध में छात्र-युवा करेंगे प्रदर्शन

बैतूल। छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली के माध्यम से तत्काल कराने की मांग और शिक्षा संजीवनी अभियान के नाम पर विद्यार्थियों को गुमराह करने के विरोध में एनएसयूआई आज कलेक्ट्रेट घेराव करेगी। जिले की बदहाल शिक्षा व्यवस्था और पीपीपी मोड मेडिकल कॉलेज के विरोध सहित विद्यार्थियों एवं युवाओं की विभिन्न मांगों को लेकर एनएसयूआई ने प्रदर्शन की तैयारी की है। 3 सितंबर को दोपहर 1ः30 बजे शिवाजी ऑडिटोरियम के पास छात्र-युवा एकत्र होंगे। इसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। एनएसयूआई छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली के माध्यम से तत्काल कराने की मांग को प्रमुखता से उठाएगी। संगठन का कहना है कि लंबे समय से छात्र संघ चुनाव नहीं होने से विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं लोकतांत्रिक तरीके से उठाने का प्रभावी मंच नहीं मिल रहा है। वहीं शिक्षा संजीवनी अभियान के नाम पर विद्यार्थियों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए संगठन शिक्षा व्यवस्था में ठोस सुधार की मांग करेगा। प्रदर्शन में पीपीपी मोड मेडिकल कॉलेज के स्थान पर सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना, भीमपुर और शाहपुर की शासकीय आईटीआई का निजीकरण कर परम फाउंडेशन को नहीं सौंपने, बीएड एवं डीएड कॉलेजों में मनमानी फीस वसूली पर रोक और जिले के सभी कॉलेजों की मान्यता एवं संचालन की आवश्यक शर्तों की जांच की मांग रखी जाएगी। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जिला स्तरीय अध्ययन केंद्र, बेरोजगार युवाओं के लिए विशेष रोजगार अभियान, सरकारी छात्रावासों की उच्चस्तरीय जांच, ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए परिवहन सुविधा बढ़ाने, खेल सुविधाओं का विस्तार और विद्यार्थियों एवं युवाओं के लिए विशेष जनसुनवाई शुरू करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रहेगी। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष रोहन ठाकुर ने विद्यार्थियों और युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में शिवाजी ऑडिटोरियम के पास पहुंचकर प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। संगठन ने मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं होने पर चरणबद्ध लोकतांत्रिक आंदोलन की चेतावनी दी है।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने चल समारोह में लिया हिस्सा

राजगढ़ संवाददाता।

सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पांदा में श्री घरणीघर भगवान जन्मोत्सव एवं श्री बलराम कृषि महोत्सव के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था, भारतीय कृषि संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। गांव में आयोजित भव्य चल समारोह में प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग श्री गौतम टेटवाल शामिल हुए।

इस दौरान ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भगवान श्री बलराम जी की आराधना की।

चल समारोह के दौरान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने भगवान श्री बलराम जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और किसानों की उन्नति की कामना की। इसके बाद उन्होंने ग्राम पांदा स्थित श्री घरणीघर राधाकृष्ण मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। धार्मिक वातावरण के बीच जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। श्री बलराम कृषि महोत्सव को केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि परंपरा और किसान जीवन से जोड़कर देखा जा रहा है। भगवान श्री बलराम को कृषि, हल और धरती से जुड़े श्रम का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि ग्रामीण क्षेत्रों में उनके जन्मोत्सव का विशेष महत्व है। महोत्सव के दौरान कृषि संस्कृति, अन्नदाता के सम्मान और खेती-किसानी के महत्व को लेकर भी संदेश दिया गया। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में किसान और कृषि को सदैव सम्मान का स्थान प्राप्त रहा है। खेत, जल, मिट्टी और प्रकृति के संरक्षण के बिना समृद्ध कृषि की कल्पना संभव नहीं है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी कृषि परंपराओं और ग्रामीण संस्कृति से जोड़ने का प्रयास भी होता है। धार्मिक आयोजन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी महोत्सव से जोड़ा गया। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री टेटवाल ने शासकीय उत्तर माध्यमिक विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। पौधारोपण के माध्यम से उन्होंने जल, भूमि और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही कहा कि पेड़ केवल पर्यावरण को सुरक्षित रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य से भी जुड़े हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधारोपण के साथ उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जल एवं भूमि संरक्षण को लेकर जनभागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। पांदा में आयोजित यह कार्यक्रम धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों को जोड़ने वाला रहा। भगवान श्री बलराम जी के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित कृषि महोत्सव ने ग्रामीण जीवन में खेती और किसान की भूमिका को रेखांकित किया। वहीं पौधारोपण कार्यक्रम ने प्रकृति संरक्षण की दिशा में सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। चल समारोह के दौरान गांव का वातावरण उत्साह और भक्ति से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री बलराम जी एवं श्री घरणीघर भगवान के दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

कृषि परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास

बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से ग्रामीण अंचल में कृषि संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास भी दिखाई दिया। भगवान श्री बलराम जी के जीवन और उनसे जुड़े कृषि संदेशों को याद करते हुए किसानों के सम्मान, मेहनत और धरती के प्रति जिम्मेदारी का भाव सामने आया। आयोजकों और ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे आयोजनों से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं मजबूत होती हैं तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने को लेकर जागरूकता भी बढ़ती है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक लाले प्रसाद विश्वकर्मा द्वारा सिया ग्राफिक्स और प्रिंटर्स प्लॉट नं. 15, खसरा नं. 602, त्रिवेणी कुंज, बोदला, आगरा, उत्तर प्रदेश - 282007 से मुद्रित एवं 51-1, पड़री, गोदवाली पोस्ट ऑफिस, गोरबी, सिंगरौली, मध्य प्रदेश - 486892 से प्रकाशित। संपादक- लाले प्रसाद विश्वकर्मा (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सिंगरौली न्यायालय रहेगा) **PRGI MPHIN/26/A0876 Phone 6261729146 Email: goonjsingrauliki@gmail.com**